www.cgfrontline.com

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

■ वर्ष: 01 ■ अंक: 90 ■ जशपुर, 26 नवंबर 2026 (गुरूवार) ■ पृष्ठ: 08 ■ मूल्य: 01 रूपये

रूहानी ताकत का मालिक बताकर औलाद दिलाने और हर बीमारी ठीक करने का झांसा



- उत्तर प्रदेश का नौशाद अंबिकापुर में ठिकाना बनाकर किया लाखों की ठगी
- मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार करके न्यायिक रिमांड पर भेजा

❒ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। शहर में धार्मिक आस्था के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। कोतवाली पुलिस ने फर्जी बाबा के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया है। इधर ठगी के शिकार लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। आरोपी के विरूद्ध कोतवाली थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज किया है।

जानकारी के मुताबिक, मोमिनपुरा निवासी यासीर अंसारी पिता असमुद्दीन अंसारी ने कोतवाली थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि आरोपी नौशाद अली पिता निसार अली उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले के बैतीकला थाना अंतर्गत ग्राम चांदा का रहने वाला है। वह पिछले करीब नौ महीने से अंबिकापुर के रसूलपुर इलाके में दीपक खान के घर पर रह रहा था, और इस जगह को बाबे सीफा नाम दिया था। इस दौरान उसने खुद को सैय्यद बाबा, सूफी संत और रूहानी ताकत का मालिक बताकर लोगों के बीच अपनी पहचान बनाई। आरोप है कि वह लोगों को झांसा देता था कि बेऔलाद दंपतियों को औलाद दिला सकता है। वह यह भी दावा करता था कि किसी भी बीमारी का इलाज उसके पास है और खुद को खुदा का मसीहा बताता था। शिकायत कर्ताओं के अनुसार, इन्हीं झूठे और भ्रामक दावों के सहारे उसने लोगों की धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ किया और उनसे मोटी रकम ऐंठी। बाबा के झांसे में आए भुक्तभोगियों का कहना है कि आरोपी लोगों को बहला-फुसलाकर अपनी बातों में उलझा लेता था। बीमारी और संतान की चाह में परेशान लोग उसकी बातों पर भरोसा कर लेते थे। कई पीड़ित लोक-लाज और सामाजिक दबाव के कारण लंबे समय तक सामने नहीं आ पाए, इसी वजह से मामला परदे के पीछे रहा। बाद में सभी ने एक साथ थाने पहुंचकर शिकायत की।

10 हजार से 9 लाख तक ऐंठे

शिकायतकर्ता यासीर का आरोप है कि आरोपी ने उससे 75 हजार रुपये ठग लिए। शिकायत में बताया गया है कि बैकुण्ठपुर निवासी बाबा खान से लगभग 9 लाख रुपये, यासीर खान से 75 हजार रुपये, सोएब अख्तर से 20 हजार रुपये, समीर सिद्दीकी से 20 हजार रुपये, लारेब अहमद से 20 हजार रुपये और आदिल से 10 हजार रुपये, रसूलपुर में रहने वाले शाहिद नामक व्यक्ति से जुड़ा है, जिससे करीब 4 लाख रुपये की ठगी का दावा किया गया है।

आक्रोशित लोगों ने बाबा के ठिकाने को घेरा

कोतवाली थाना प्रभारी अखिलेश सिंह ने बताया कि अभी तक ठगी का शिकार हुए 15-20 लोग सामने आ चुके हैं। मंगलवार की रात को 200 से अधिक लोगों की भीड़ कथित चमत्कारी बाबा के ठिकाने को घेरकर खड़ी थी। चर्चा इस बात की भी हो रही थी कि बाबा ने कईयों को नशे की लत से दूर किया और कई लोगों की समस्याओं का समाधान किया था। ऐसे लोगों के माध्यम से खबर अन्य लोगों तक पहुंचते गई और ठगी का शिकार लोग होते हुए। सूचना मिलने पर पुलिस जब मौके पर पहुंचे तो लोगों का आक्रोश चरम पर था। पुलिस टीम ने बाबा को तत्काल हिरासत में ले लिया और थाने लाकर पीड़ितों का कथन लेकर अपराध दर्ज कर लिया है।

ऐसे कथित बाबाओं से रहें सावधान

पुलिस ने शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद अपराध घटित होना पाया और अपराध करके आरोपी को उसके ठिकाने से गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ितों के बयान दर्ज करके पुलिस यह भी पता लगा रही है कि आरोपी ने और कितने लोगों से पैसे लिए हैं और रकम कहां खर्च की गई। इस मामले के सामने आने के बाद लोगों का कहना है कि धार्मिक आस्था के नाम पर इस तरह की ठगी समाज के लिए खतरनाक है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि चमत्कार और रूहानी इलाज के नाम पर पैसे मांगने वालों से सावधान रहें और ऐसी किसी भी गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

2 करोड़ के आईफोन चोरी का खुलासा, कंजर गैंग के दो आरोपी गिरफ्तार, 132 मोबाइल बरामद

❒ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन



रायपुर। तेलीबांधा स्थित एप्पल स्टोर से करीब 2 करोड़ रुपये के आईफोन चोरी होने के मामले में पुलिस ने अंतरराज्यीय कंजर गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर चोरी किए गए 132 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। वारदात का खुलासा पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने किया। मामले में गिरोह के दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक 31 अक्टूबर की आधी रात के बाद चोरों ने तेलीबांधा स्थित एप्पल स्टोर को निशाना बनाया था। आरोपी दुकान में रखे बड़ी संख्या में आईफोन लेकर फरार हो गए थे। वारदात के दौरान उन्होंने स्टोर में लगे सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर भी निकाल लिया, ताकि पुलिस को सीधे दुकान के फुटेज न मिल सकें।

महाराष्ट्र में मिला चोरी का सुराग

जांच के दौरान पुलिस टीम महाराष्ट्र के मौधा पहुंची। वहां कोल्हान नदी के किनारे कुछ दिन पहले एक बिना नंबर की मोटरसाइकिल मिलने की जानकारी मिली थी। बाइक के इंजन और चेसिस नंबर को मिटाने की कोशिश की गई थी। जांच में यह मोटरसाइकिल रायपुर के तेलीबांधा क्षेत्र से चोरी होना सामने आया। इसके बाद पुलिस ने कड़ियां जोड़ते हुए गिरोह के सदस्यों की पहचान की।

पुलिस कमिश्नर के अनुसार आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीमें महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, राजस्थान और दिल्ली में लगातार सक्रिय रहीं। इस दौरान अंतरराज्यीय कंजर गैंग के चार सदस्यों की पहचान हुई, जिनमें से दो को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों के कब्जे से चोरी के 132 आईफोन बरामद किए गए हैं।

गिरोह के सरगना पर 47 से अधिक मामले दर्ज

पुलिस के मुताबिक इस गिरोह का सरगना राजेश कंजर उर्फ झाला है, जिसके खिलाफ मध्यप्रदेश और राजस्थान में 47 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोप है कि उसने अपने बेटे और एक अन्य साथी के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। वहीं सफान खान पर चोरी के मोबाइल खपाने की जिम्मेदारी होने की बात सामने आई है। पुलिस का कहना है कि उसे विदेश भागने से पहले पकड़ लिया गया।

फिलहाल गिरोह के दो अन्य आरोपी राज झाला और राजेश लोधी दोनों निवासी देवास (मध्यप्रदेश) फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। इस कार्रवाई के बाद करीब 2 करोड़ रुपये की आईफोन चोरी के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। हालांकि चोरी गए सभी मोबाइल की बरामदगी और बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जांच जारी है।

8 मिनट में वारदात, 1000 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले

मामले की जांच के लिए करीब 40 सदस्यीय पुलिस टीम गठित की गई थी। पुलिस ने घटनास्थल से करीब 250 किलोमीटर के दायरे में लगे 1000 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का विश्लेषण किया। इसके अलावा 1100 से ज्यादा सेल आईडी टावर और 10 लाख से अधिक मोबाइल नंबरों के डेटा की जांच की गई।

दूर लगे एक कैमरे के धुंधले फुटेज में पुलिस को दोपहिया वाहन पर तीन संदिग्ध दिखाई दिए। फुटेज के मुताबिक संदिग्ध रात 2 बजकर 37 मिनट पर घटनास्थल के पास पहुंचे और महज आठ मिनट बाद 2 बजकर 45 मिनट पर वहां से निकल गए। पुलिस ने इसी सुराग को जांच का आधार बनाया और आरोपियों की तलाश में कई राज्यों तक अभियान चलाया।

कोरिया के युवक की मौत का मामला आईजी तक पहुंचा

स्वजन ने हत्या का संदेह जताते हुए की निष्पक्ष जांच की मांग

❒ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। कोरिया जिले के एक युवक की अक्टूबर माह में हुई मौत का मामला अब सरगुजा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय तक पहुंच गया है। मृतक के स्वजन ने लिखित शिकायत आवेदन देकर मामले की दोबारा निष्पक्ष जांच की मांग की है। परिजनों का कहना है कि उन्हें अपने बेटे की मौत पर संदेह है और पुलिस की अब तक की जांच में कई खामियां रह गई हैं।



कोरिया जिला के बैकुंठपुर थाना अंतर्गत ग्राम तरगवां से आए मृतक राकेश साहू के भाई बृजेश कुमार साहू व कमला बाई का आरोप है कि उसके भाई को घर के बगल में रहने वाला शिवम नाम का युवक करमा देखने के बहाने घर से ले गया था। इसके बाद जो हुआ, वह आज तक परिवार के लिए पहेली बना हुआ है। घटना बीते 18 अक्टूबर की है। भाई को ले जाने के बाद परिवार को नहीं पता था कि उसे कहां ले जाया गया, क्या किया गया। दोपहर 3 बजकर 17 मिनट पर फोन आया कि बाईपास में एक्सीडेंट हो गया है और वह बेहोश हो गया है। परिवार वाले मौके पर पहुंचे तो देखा कि उसका भाई मृत पड़ा था। शिवम से पूछताछ करने पर वह बयान बार-बार बदलते रहे। बृजेश का आरोप है कि शिवम कभी कहता था कि मैं बोलेरो गाड़ी में बैठकर आ रहा था, कभी कहता कि तीन लोग आकर मारे हैं। विरोधाभासी बयान के बाद भी थाना प्रभारी और पुलिस अधीक्षक स्तर पर मामले की ठीक से जांच नहीं की गई। परिवार को सिर्फ घुमाया जा रहा है। परिवार का कहना है कि उन्होंने इस मामले को लेकर नेता, मंत्री, विधायक सबके पास गुहार लगाई, लेकिन कहीं सुनवाई नहीं हुई। बैकुंठपुर थाने में भी उनकी बात नहीं सुनी गई। थक-हारकर वे आईजी कार्यालय अंबिकापुर पहुंचे। आईजी से मुलाकात के बाद कुछ उम्मीद जगी है। उन्होंने बताया कि आईजी ने जांच कराने और न्याय दिलाने का आश्वासन दिया है। इनकी मांग है कि शिवम के बदलते बयानों की गहराई से जांच हो, उस दिन के सभी घटनाक्रम, कॉल डिटेल, घटनास्थल और बाईपास के सीसीटीवी की पड़ताल हो और सच सामने लाया जाए। आईजी के निर्देश के बाद अब सबकी नजर नई जांच पर टिकी है। परिजन चाहते हैं कि जांच पारदर्शी हो।

एएसपी स्तर के अधिकारी करेंगे जांच-आईजी

सरगुजा रेंज के आईजी दीपक कुमार झा ने बताया कि कोरिया जिले में अक्टूबर माह में एक युवक की मृत्यु हुई थी। परिजनों को संदेह है कि उनके बेटे की हत्या की गई है। साथ ही पुलिस जांच में उन्हें कुछ खामियां लगीं, जिसे लेकर उन्होंने आवेदन दिया है। उन्होंने परिजनों के सामने ही पुलिस अधीक्षक और थाना प्रभारी से बात की। स्वजन ने जो भी आरोप लगाए हैं, उन सभी विषयों पर जांच के लिए पुलिस अधीक्षक को निर्देशित किया गया है। अब इस मामले की जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी करेंगे।

ई-चालान से 11 महीने में 16.54 करोड़ की वसूली, फिर भी ट्रैफिक व्यवस्था बदहाल : कांग्रेस

❒ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन



रायपुर। राजधानी रायपुर में ई-चालान के जरिए 11 महीने में वाहन चालकों से 16 करोड़ 54 लाख रुपये की वसूली किए जाने पर प्रदेश कांग्रेस ने सरकार और यातायात विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि शहर में कैमरों के जरिए चालान काटने की व्यवस्था तो मजबूत कर ली गई है, लेकिन यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा से सवाल किया कि शहर में लगाए गए कैमरे जनता की सुरक्षा के लिए हैं या केवल वाहन चालकों से जुर्माना वसूलने के लिए? उन्होंने कहा कि रायपुर में आए दिन ट्रैफिक जाम, अव्यवस्थित पार्किंग और यातायात के बढ़ते दबाव की समस्या बनी हुई है। इसके बावजूद इन समस्याओं से राहत दिलाने के लिए प्रभावी प्रयास नजर नहीं आ रहे हैं।

ठाकुर ने कहा कि यातायात विभाग वाहन चालकों पर नजर रखने और ई-चालान जारी करने में सक्रिय है, लेकिन यातायात को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए जरूरी व्यवस्थाओं पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि ई-चालान से वसूले गए 16.54 करोड़ रुपये में से कितनी राशि यातायात व्यवस्था सुधारने पर खर्च की गई है?

कांग्रेस प्रवक्ता ने सरकार से चालान से प्राप्त राशि के उपयोग का ब्योरा सार्वजनिक करने की मांग की। साथ ही शहर को जाम से राहत दिलाने, पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था विकसित करने, ट्रैफिक सिग्नलों का बेहतर संचालन और सड़क सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी देने को कहा।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार यातायात व्यवस्था सुधारने के बजाय चालान वसूली को उपलब्धि के रूप में पेश कर रही है। जनता को केवल जुर्माना लगाने वाली व्यवस्था नहीं, बल्कि जाम और अव्यवस्थित यातायात से राहत देने वाली व्यवस्था चाहिए।

ज्वेलरी दुकान में चोरी का पर्दाफास, झाड़ियों से आर्टिफिशियल हार और झुमका बरामद

❒ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन



अंबिकापुर। गांधीनगर थाना पुलिस को ज्वेलरी दुकान में हुई चोरी के प्रकरण में एक आरोपी को गिरफ्तार करके न्यायिक रिमांड पर भेजा है। आरोपी की निशानदेही पर चोरी का कुछ सामान भी बरामद किया गया है।

मामला बीते 29-30 सितंबरकी रात का है। निधि सोनी निवासी नवापारा, नेहरू छात्रावास के पीछे, थाना गांधीनगर ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात व्यक्ति उनकी ज्वेलरी दुकान का ताला तोड़कर अंदर घुसा और चांदी के 15 ब्रेसलेट और आर्टिफिशियल ज्वेलरी चोरी करके ले गया। चोरी गए सामान की कीमत करीब 90 हजार रुपये बताई गई थी। रिपोर्ट पर थाना गांधीनगर में धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने मुखबिर से सूचना के आधार पर एक संदेही को हिरासत में लिया और पूछताछ की। पूछताछ में उसने अपना नाम शिवांग चौहान उर्फ राहुल पिता स्व. इन्द्रजीत चौहान 20 वर्ष, निवासी सोनी मुहल्ला तालाब के पास गांधीनगर बताया।

बारीकी से पूछताछ करने पर आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपी की निशानदेही पर चोरी किए गए ज्वेलरी में से एक आर्टिफिशियल हार और कान का झुमका एक जोड़ी बरामद किया गया। आरोपी ने इन्हें झाड़ियों में छुपाकर रखा था। पुलिस ने बरामद सामान को जप्त कर लिया है। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी पूर्व में भी अपने साथियों के साथ मिलकर चोरी की घटनाओं में संलिप्त रहा है। इस वजह से प्रकरण में धारा 111 बीएनएस भी जोड़ी गई है। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड के लिए न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस का कहना है कि इस मामले में अन्य आरोपियों और बाकी ज्वेलरी की पतासाजी के लिए लगातार कार्रवाइ र् जारी है। पुलिस टीम अन्य साथियों की गिरफ्तारी के लिए भी प्रयास कर रही है।

कार्रवाई में ये टीम रही शामिल

कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक शिशिरकान्त सिंह, सहायक उप निरीक्षक वीरेंद्र कुजूर, साइबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, प्रधान आरक्षक जयदीप सिंह, आरक्षक मनीष सिंह, राहुल सिंह और रमन मण्डल सक्रिय रहे।

एयरपोर्ट को 4C बनाने पर सरकार की ना, हाई कोर्ट नाराज, पूछा- बंद करना चाहती है एयरपोर्ट?

❒ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन



बिलासपुर। एयरपोर्ट के विस्तार और हवाई सुविधाओं को बेहतर बनाने के मामले में छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने राज्य सरकार के रुख पर कड़ी नाराजगी जताई है। एयरपोर्ट को 4C श्रेणी में विकसित करने के पूर्व में किए गए वादों के बावजूद सरकार की ओर से अब इससे पीछे हटने की बात कहे जाने पर हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने आपत्ति दर्ज की है।

चीफ जस्टिस रामकृष्ण महापात्र और जस्टिस संतोष शर्मा की डिवीजन बेंच बिलासपुर एयरपोर्ट और हवाई सुविधाओं के विस्तार से जुड़ी जनहित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। करीब 9 वर्षों से चल रही इस सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राज्य सरकार के पूर्व आदेशों और शपथ पत्रों में दर्ज प्रतिबद्धताओं का हवाला दिया।

याचिकाकर्ता पक्ष के वरिष्ठ अधिवक्ता आशीष श्रीवास्तव ने 2026 के एक आदेश का उल्लेख किया, जिसमें सरकार की ओर से एयरपोर्ट को जल्द 4C श्रेणी में विकसित करने का आश्वासन दर्ज है।

इस पर चीफ जस्टिस ने सवाल किया कि जब सरकार पहले ही कई बार ऐसा करने का कमिटमेंट दे चुकी है, तो अब स्थिति को कैसे बदला जा सकता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पूर्व में दिए गए शपथ पत्र और प्रतिबद्धताओं से सरकार इस तरह पीछे नहीं हट सकती।

300 करोड़ में हो सकता है 4C श्रेणी का विकास

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता प्रवीण दास ने दलील दी कि बिलासपुर एयरपोर्ट से यात्रियों की संख्या कम है और फ्लाइट संचालन में सरकार को घाटा उठाना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि एयरपोर्ट को 4C श्रेणी में विकसित करने के लिए हजारों करोड़ रुपये की जरूरत होगी।

इस पर याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता सुदीप श्रीवास्तव ने विरोध जताते हुए कहा कि 4C श्रेणी के विकास के लिए 300 करोड़ रुपये से अधिक की आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि रनवे विस्तार के लिए 63 करोड़ रुपये और नए एटीसी टावर के लिए 40 करोड़ रुपये का प्रस्ताव पिछले पांच महीनों से मंत्रालय स्तर पर लंबित है। इन दोनों प्रस्तावों को मंजूरी मिलने पर 103 करोड़ रुपये में आधे से अधिक जरूरी काम पूरे किए जा सकते हैं।

याचिकाकर्ता पक्ष ने यात्रियों की संख्या कम होने के सरकारी दावे पर भी सवाल उठाए। उन्होंने सरकार के शपथ पत्र का हवाला देते हुए बताया कि वर्ष 2021 में 22 हजार और 2022 से 2025 के बीच हर साल करीब 35 से 36 हजार यात्रियों ने बिलासपुर एयरपोर्ट से यात्रा की। उनका तर्क था कि वर्ष 2023 के बाद उड़ानों की संख्या कम हुई है, जिसका असर यात्री संख्या पर पड़ा है।

एयरलाइन की गारंटी पर कोर्ट ने उठाए सवाल

सरकार की ओर से यह दलील दी गई कि जब तक एयरलाइन कंपनियां बड़े विमानों के संचालन और उड़ानें शुरू करने की गारंटी नहीं देतीं, तब तक एयरपोर्ट को 4C श्रेणी में विकसित करने पर काम करना मुश्किल है। इस पर कोर्ट ने सवाल उठाया कि जब तक एयरपोर्ट की सुविधाएं विकसित नहीं होंगी, तब तक एयरलाइन कंपनियां बड़े विमानों के संचालन का आश्वासन कैसे देंगी?

सरकार के रुख पर टिप्पणी करते हुए डिवीजन बेंच ने कहा कि उसके वक्तव्य से ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार बिलासपुर एयरपोर्ट को विकसित करने के बजाय बंद करना चाहती है। कोर्ट ने यह भी सुझाव दिया कि यदि राज्य सरकार एयरपोर्ट का विकास नहीं करना चाहती, तो इसे पूरी तरह एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (AAI) को क्यों नहीं सौंप देती। याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ताओं ने भी इस सुझाव का समर्थन किया।

बकरा बकरी चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा, छह आरोपी गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

विश्रामपुर। लटोरी क्षेत्र में लगातार हो रही बकरा-बकरी चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए लटोरी पुलिस ने चोरी करने वाले गिरोह के सदस्यों सहित चोरी का माल खरीदने वाले व्यक्ति एवं वारदात में प्रयुक्त कार किराए पर देने वाले वाहन स्वामी को गिरफ्तार किया है।



आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए 2 बकरी तथा वारदात में प्रयुक्त सियाज कार क्रमांक सीजी 10 व्ही 9456 जब्त की गई है। 6 नवंबर को प्रार्थी मोहम्मद मुस्लिम अंसारी पिता स्व. तासिम निवासी करवां ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 1 व 2 नवंबर की दरम्यानी रात अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसके घर का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया गया तथा घर के अंदर से 2 नग बकरा एवं 2 नग बकरी चोरी कर लिए गए। रिपोर्ट पर मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। इसी प्रकार 23 नवंबर को प्रार्थी सुरेश कुमार कुशवाहा पिता रामप्रसाद कुशवाहा निवासी जगतपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 20 व 21 नवंबर की दरम्यानी रात अज्ञात व्यक्ति उसके घर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे तथा 3 नग बकरा एवं 2 नग बकरी चोरी कर ले गए। इस रिपोर्ट पर भी अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई। सुरजपुर पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल ने लगातार हो रही चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने एवं चोरी की वारदात को अंजाम देने वालों को जल्द पकड़ने के निर्देश दिए थे। साथ ही चौकी स्तर पर विशेष टीम गठित कर आरोपियों की पतासाजी शुरू की गई। पुलिस टीम द्वारा स्थानीय मुखबीर तंत्र को मजबूत कर संदिग्धों पर लगातार नजर रखी जा रही थी। इसी दौरान 24 नवंबर को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि सीतापुर की ओर से कुछ व्यक्ति एक सफेद रंग की सियाज कार क्रमांक सीजी 10 व्ही 9456 में सवार होकर लटोरी क्षेत्र में घूम रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने सोनवाही जंगल के पास घेराबंदी कर कार सवार पांच व्यक्तियों को पकड़ा। पूछताछ में उनकी पहचान अमीनुल्लाह खान पिता अब्दुल्लाह उम्र 25 वर्ष निवासी रायकेरा टोकापारा थाना सीतापुर, राकेश सिंह पिता इन्द्रदेव उम्र 28 वर्ष ग्राम मंगारी, मदन दास, मदन दास पिता लबदु दास उम्र 19 वर्ष ग्राम महेशपुर थाना सीतापुर, दिलचन्द दास उर्फ ममता पिता रूदन सिंह उम्र 19 वर्ष ग्राम नकना एवं वाहन स्वामी अजीत पैकरा पिता शंभूनाथ पैंकरा उम्र 26 वर्ष ग्राम बालमपुर थाना सीतापुर, गणेश कुमार मरावी पिता अशोक मरावी उम्र 24 वर्ष ग्राम छेवरी थाना थाना बतौली के रूप में हुई। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने 1 नवंबर को करवां से 2 नग बकरा एवं 2 नग बकरी तथा 20 नवंबर को जगतपुर से 3 नग बकरा एवं 2 नग बकरी चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों ने बताया कि चोरी किए गए बकरा-बकरी को ग्राम रायकेरा टोकापारा ले जाकर नुरुल्लाह खान पिता सफार उम्र 45 वर्ष ग्राम रायकेरा टोकोपारा थाना सीतापुर नामक व्यक्ति को बेचा गया है। इस आधार पर पुलिस ने नुरुल्लाह खान को पकड़कर पूछताछ की जो उसने चोरी के 2 नग बकरा खरीदना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की घटना में प्रयुक्त सियाज कार क्रमांक सीजी 10 व्ही 9456, लोहे का रॉड, पेचकस, प्लास्टिक टेप जब्त किया है। प्रकरण में आरोपी नुरुल्लाह खान के विरुद्ध धारा 317 (4) बीएनएस तथा सभी आरोपियों के विरुद्ध संगठित होकर घूम-घूमकर बकरा-बकरी चोरी करने के संबंध में धारा 112 बीएनएस भी जोड़ी गई है। पूछताछ में यह भी सामने आया कि वाहन स्वामी अजीत पैकरा द्वारा आरोपियों को प्रत्येक रात 7 हजार रुपए किराए पर सियाज कार उपलब्ध कराई जाती थी, जिसका उपयोग बकरा-बकरी चोरी की वारदातों को अंजाम देने के लिए किया जाता था। पुलिस द्वारा वाहन स्वामी को भी प्रकरण में आरोपी बनाया गया है। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी लटोरी सुनील सिंह, एएसआई वरूण तिवारी, प्रधान आरक्षक रामनिवास तिवारी, रविशंकर, आरक्षक विकास मिश्रा, शोभनाथ कुशवाहा, संतोष जायसवाल, मनोज सिरदार, सुनील एक्का, हरिओम पाण्डेय, युवराज यादव सक्रिय रहे।

ऐसे देते थे घटना को अंजाम

पूछताछ पर आरोपियों ने बताया कि जिस स्थान पर चोरी करने जाते थे वहां रात को 2-3 घंटे पूर्व ही पहुंच जाते थे और पहले रेकी करते थे उसके बाद घर में घुसकर बकरा बकरी के मुंह में प्लास्टिक टेप चिपका देते थे, जिससे आवाज न कर सके, उसके बाद चोरी के घटना को अंजाम देते थे।

आरोपियों के पूर्व आपराधिक रिकार्ड

मामले में गिरफ्तार आरोपी क्रेता नुरुल्लाह पूर्व में भी थाना बगीचा में बकरा चोरी के प्रकरण में, दिलचन्दर उर्फ ममता मोटर सायकल चोरी प्रकरण तथा अजीत पैकरा रामानुजगंज ज्वेलरी शॉप के चोरी के मामले में संलिप्त रहा है। आरोपियो से अभी तक के पूछताछ पर संगठित होकर गिरोह बनाकर चौकी लटोरी में 2 स्थानों पर, चौकी खडगंवा क्षेत्र में 2 तथा जिला सरगुजा के लखनपुर में 1 स्थान पर चोरी करना बताया गया है।

भक्ति व श्रद्धाभाव से मनाया गया श्री गुरु नानक देव का प्रकाश उत्सव

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

विश्रामपुर। सिख धर्म के संस्थापक व प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव का 557 वां प्रकाश उत्सव भक्ति व श्रद्धाभाव से मनाया गया। प्रकाश उत्सव को भव्य रूप से मनाने हेतु नगर के गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा में प्रबंधन कमेटी व सिख समाज द्वारा पखवाड़े भर पूर्व से तैयारियां प्रारम्भ कर दी गई थीं।



रविवार को गुरुद्वारा साहेब में आरंभ कराए गए अखण्ड पाठ की समाप्ति मंगलवार के दिन सुबह 11.30 बजे सम्पन्न हुई। इसके पश्चात प्रकाश उत्सव के आयोजन के लिए विशेष तौर पर राजधानी दिल्ली से आए रागी जत्थे ज्ञानी सतवीर सिंह, जसविंदर सिंह व खेन सिंह द्वारा उपस्थित साध संगत को गुरबाणी कीर्तन सुनाकर निहाल किया गया। रागी जत्थे ने श्री गुरुनानक देव की धर्म निष्पेक्षता, मानव धर्म का एक रूप एवं आपसी प्रेम व भाई चारा की गुरबाणी के अनुसार से दी हुई सीख को साझा कर पुन: स्मरण कराया। गुरुपर्व के दिन सुबह से ही सिख सेवादारों व श्रद्धालुओं का गुरुद्वारा प्रांगण पहुंचने का सिलसिला चलता रहा। इस दौरान काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने गुरु ग्रन्थ साहेब जी के समक्ष मत्था टेककर सुख शांति व मंगल कामना की अरदास की।अरदास समाप्ति पश्चात गुरु का लंगर चलाया गया, जिसे सैकड़ों भक्तों ने ग्रहण किया। सिख युवा समिति व स्त्री साध संगत के सदस्यों ने लंगर वितरण की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।



उर्वरक वितरण में पारदर्शिता के लिए एफएफएस प्रणाली पर किसानों और समिति प्रबंधकों को प्रशिक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में उर्वरक वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए कृषि विभाग ने FFS (फेमवर्क फर्टिलाइजर सेल सिस्टम) के माध्यम से उर्वरक विक्रय पर प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें किसानों को बताया गया कि वे अपनी फसलों की आवश्यकता के अनुसार उर्वरक का टोकन या क्यूआर कोड खुद कैसे जारी कर सकते हैं। समिति प्रबंधकों को उर्वरक विक्रय, पीओएस मशीन संचालन,



ऑनलाइन बिलिंग, किसान पंजीयन और उर्वरक वितरण की पूरी प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि FFS प्रणाली से उर्वरक बेचने पर वितरण में पारदर्शिता आएगी। साथ ही उर्वरक की उपलब्धता और वितरण की ऑनलाइन निगरानी भी हो सकेगी। कृषि विभाग ने सभी सहकारी समितियों और विक्रेताओं से अपील की कि वे शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार केवल रुखस प्रणाली से ही उर्वरक बेचें और किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराएँ।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के दो वर्ष पूरे, 27 नवंबर को जिलेभर में होंगी सघन जागरूकता गतिविधियां

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। नवंबर को 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान के दो वर्ष पूरे हो रहे हैं। इसी दिन संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा घोषित 'बाल विवाह, कम उम्र में विवाह और जबरन विवाह उन्मूलन का अंतर्राष्ट्रीय दिवस' भी है। इस अवसर पर जिले में जिला स्तर से लेकर ग्राम स्तर तक सघन जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी। इनमें शैक्षणिक संस्थाएँ, पंचायती राज संस्थाएँ, स्थानीय निकाय, जनप्रतिनिधि, मैदानी कार्यकर्ता और समुदाय के प्रमुख लोग भाग लेंगे।

इस दिन जिले की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाएं होंगी। स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थलों पर लोगों को बाल विवाह न करने और इसका विरोध करने की शपथ दिलाई जाएगी। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार दोपहर 3 बजे विज्ञान भवन, नई दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित करेगा। इसका जिला स्तर पर ऑनलाइन प्रसारण किया जाएगा। नागरिक बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल (stopchildmarriage.wcd.gov.in) पर जाकर भी बाल विवाह के विरुद्ध शपथ ले सकते हैं।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने कहा कि बाल विवाह कानूनी अपराध होने के साथ एक सामाजिक अभिशाप भी है। यह बच्चों के शारीरिक, शैक्षणिक, आर्थिक और सामाजिक विकास को रोकता है और उनके अधिकारों का गंभीर हनन करता है। उन्होंने जिलेवासियों, समाजसेवियों और जनप्रतिनिधियों से इन कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने और जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

बलरामपुर जिले में धान खरीदी तेजी से जारी, 90 हजार क्विंटल से अधिक धान की खरीदी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का काम सुचारू और व्यवस्थित ढंग से चल रहा है। जिले के 54 उपार्जन केंद्रों के जरिए 25 नवंबर तक 90,707.60 क्विंटल धान खरीदा जा चुका है।

बड़कागांव उपार्जन केंद्र 5,317.60 क्विंटल धान की खरीदी के साथ सबसे आगे है। इसके बाद त्रिकुण्डा में 3,881.20 क्विंटल, तातापानी में 3,133.20 क्विंटल और चान्दो में 2,317.20 क्विंटल धान खरीदा गया है। जिले के दूरस्थ अंचलों के केंद्रों पर भी किसान उत्साह से अपना धान बेचने पहुँच रहे हैं।

कृषि विभाग की कार्रवाई में बलरामपुर के कृषि सेवा केंद्र से 7.39 क्विंटल बीज और कीटनाशक जब्त

नियमों का उल्लंघन करने पर हुई कार्रवाई, अगले आदेश तक बिक्री पर रोक



बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। किसानों को अच्छी गुणवत्ता के बीज, उर्वरक और कीटनाशक उचित दर पर मिलें, और कृषि आदान की बिक्री में पारदर्शिता रहे, इसके लिए कृषि विभाग जिले के कृषि सेवा केंद्रों और कृषि आदान विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर रहा है। इसी क्रम में विकासखंड बलरामपुर में स्थित कृपा कृषि सेवा केंद्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पता चला कि प्रतिष्ठान में बीज अधिनियम 1966 के प्रावधानों का उल्लंघन कर बीज बेचे जा रहे थे। इस पर विभाग ने वहां रखे विभिन्न कंपनियों के बीज जब्त किए। इनमें 5 क्विंटल गेहूं, 1.55 क्विंटल सरसों और 0.84 क्विंटल मक्का के बीज शामिल हैं।

प्रतिष्ठान में कीटनाशी अधिनियम 1968 एवं 1979 के प्रावधानों का उल्लंघन भी मिला। इस पर विभिन्न कंपनियों के कुल 42 लीटर तरल कीटनाशक और 25 किलोग्राम अन्य कीटनाशक उत्पाद जब्त किए गए।

विभाग ने प्रतिष्ठान संचालक को निर्देश दिए हैं कि जब्त बीज और कीटनाशक अगले आदेश तक न बेचे जाएं और न ही उन्हें भंडारण स्थल से हटाया जाए। वैध अनुज्ञप्ति और निर्धारित नियमों के अनुसार आगे की कार्यवाही की जाएगी।

धान खरीदी में किसानों की बढ़ती भागीदारी, अब तक 6,694 किसानों ने बेचा 23 हजार मीट्रिक टन से अधिक धान

धमतरी, (एजेंसी)। खेतों में मेहनत से तैयार धान की उपज को समर्थन मूल्य पर बेचने के लिए जिले के किसान खरीदी केंद्रों तक पहुंच रहे हैं। जिले में धान उपार्जन का सिलसिला लगातार आगे बढ़ रहा है। खरीदी व्यवस्था को व्यवस्थित रखने के लिए टोकन प्रणाली के माध्यम से किसानों को धान विक्रय की सुविधा दी जा रही है। साथ ही वास्तविक कृषि रकबे के अनुरूप खरीदी सुनिश्चित करने के लिए रकबा समर्पण की प्रक्रिया भी जारी है। 26 नवंबर की स्थिति में जिले में अब तक 6,694 किसानों से 23,093.76 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। वहीं, आगामी खरीदी के लिए कुल 1,813 टोकन जारी किए गए हैं, जिनके माध्यम से 6,870.27 मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया जाना है। इससे स्पष्ट है कि जिले में धान खरीदी की प्रक्रिया निरंतर गति पकड़ रही है और बड़ी संख्या में



किसान इस व्यवस्था का लाभ उठा रहे हैं।

इस वर्ष धान खरीदी व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण पक्ष रकबा समर्पण भी है। धान विक्रय के उपरांत किसानों द्वारा शेष अथवा उपयोग में नहीं आने वाले कृषि रकबे का समर्पण किया जा रहा है। अब तक जिले के 2,674 किसानों ने कुल 101.32 हेक्टेयर रकबे का समर्पण किया है। इससे कृषि रकबे के वास्तविक उपयोग के अनुरूप अभिलेखों का संधारण और खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने में मदद मिलती है।

जिला प्रशासन द्वारा धान खरीदी केंद्रों में व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने के साथ ही टोकन के अनुसार खरीदी, उपज की गुणवत्ता, सही तौल और धान के सुरक्षित रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। संबंधित अधिकारियों को खरीदी केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने तथा किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिले में धान खरीदी का उद्देश्य केवल उपज का उपार्जन करना ही नहीं, बल्कि किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाना और पूरी प्रक्रिया को सरल, सुगम एवं पारदर्शी बनाना है। जिला प्रशासन इसी प्रतिबद्धता के साथ खरीदी व्यवस्था के संचालन में जुटा हुआ है।

सिकल सेल प्रभावित हितग्राहियों के लिए सामाजिक कल्याण शिविर का आयोजन

रायपुर, (एजेंसी)। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा सिकल सेल प्रभावित हितग्राहियों को स्वास्थ्य सेवाओं और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने के लिए सामाजिक कल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 45 पात्र हितग्राहियों के दिव्यांगता प्रमाण-पत्र बनाए गए।

कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में सिकल सेल प्रभावित हितग्राहियों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक परामर्श दिया गया। साथ ही हितग्राहियों एवं उनके परिजनों को नियमित उपचार, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र की प्रक्रिया तथा शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर का आयोजन यूनिसेफ एवं एमसीसीआर ट्रस्ट के तकनीकी सहयोग से किया गया। इस पहल से सिकल सेल प्रभावित हितग्राहियों और उनके परिवारों



को स्वास्थ्य सेवाओं के साथ शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथलेश चौधरी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री मनीष मेजरवार, जिला नोडल अधिकारी डॉ. सत्यनारायण पांडे, सिविल सर्जन डॉ. संजय कुमार सहित स्वास्थ्य एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, चिरायु दल तथा यूनिसेफ एवं एमसीसीआर ट्रस्ट के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सेवा सेतु पोर्टल पर अब केंद्रीय ओबीसी और एससी/एसटी प्रमाण पत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। डिजिटल सुशासन को मजबूत करने और नागरिक सेवाओं का विस्तार करने के लिए छत्तीसगढ़ शासन ने सेवा सेतु पोर्टल पर दो नई सेवाएँ जोड़ी हैं। अब नागरिक इस पोर्टल पर केंद्रीय अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र और केंद्रीय अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इन दोनों सेवाओं में आवेदन के साथ आय प्रमाण और पंचनामा सहित स्थायी जाति प्रमाण पत्र लगाना अनिवार्य होगा। आवेदनों के निराकरण के लिए 7 दिन की समय सीमा तय की गई है। इससे नागरिकों को केंद्रीय स्तर पर उपयोग होने वाले जाति प्रमाण पत्र तय समय में मिल सकेंगे।



भरे घर में अकेले लोग

इस आधुनिक जीवनशैली में जिस तरह रहन-सहन बदला है, हम अपनों से दूर होते जा रहे हैं। परिवार में साथ रहते हुए भी, साथ नहीं है। इसके पीछे क्या कारण है? घर-परिवार में कैसे अपनापन बना रहे, इसके लिए सबकी इच्छाशक्ति और प्रयास जरूरी है।

कवर स्टोरी

पूर्ति खरे, साहित्यकार

आभा का घर भोपाल में है। सुबह के आठ बजे हैं। रसोई में वह चाय बना रही है, एक कमरे में उसका बेटा लैपटॉप पर काम कर रहा है, दूसरे में बेटी ऑनलाइन क्लास कर रही है, उधर ड्रॉइंग रूम में आभा के पति दीपक टीवी देख रहे हैं। घर के एक कमरे में आभा के सास-ससुर अकेले बैठे अपने पुराने दिनों की यादों में खोए हुए हैं। घर में सब कुछ सामान्य है, लेकिन आपसी बातचीत और जुड़ाव गायब है। आज कई घरों की यही हकीकत है। लोग एक छत के नीचे तो रहते हैं, लेकिन भावनात्मक रूप से एक-दूसरे से जुड़े नहीं होते हैं। यह एक चिंताजनक स्थिति है।

खो रही है रिश्तों की गर्माहट

इस नए जमाने में तकनीक ने हमारी जिंदगी को आसान जरूर बनाया है, लेकिन भौतिक सुविधाओं ने रिश्तों की सहजता कम की है, अपनापन पीछे छूट रहा है। कभी परिवार के सदस्य रात को साथ बैठकर दिन भर की बातें साझा करते थे, लेकिन अब ज्यादातर समय स्क्रीन के सामने बीतता है। हमने जीवन को सुविधाजनक तो बना लिया, लेकिन इसके चलते कहीं न कहीं रिश्तों की गर्माहट खो रही है।

बुजुर्गः अपने ही घर में पराए

बदले हुए इस दौर में सबसे गहरा असर घर के बुजुर्गों पर पड़ा है। वे जो कभी घर की धुरी हुआ करते थे, आज एक कोने में सिमटे नजर आते हैं। उनके पास अनुभवों का खजाना है, जीवन की कहानियां हैं, लेकिन उन्हें सुनने का समय किसी के पास नहीं है। उनकी बातें 'पुराने जमाने' की कहकर टाल दी जाती हैं, उनके सुझाव जरूरी नहीं समझे जाते। दिन भर घर में रहते हुए भी वे अकेलेपन का अनुभव करते हैं। वे इंतजार करते हैं कि कोई उनके पास आकर बैठे, दो शब्द अपनेपन के बोले। यह स्थिति केवल एक पीढ़ी की उपेक्षा नहीं, हमारी संवेदनाओं के क्षरण के संकेत हैं।

डिजिटल जुड़ाव का भ्रम

कहने को आज हम पहले से कहीं ज्यादा 'कनेक्टेड' हैं। एक क्लिक पर हम दुनिया के किसी भी कोने से जुड़ सकते हैं, लेकिन यह जुड़ाव केवल तकनीकी है, भावनात्मक नहीं। घर में चार लोग बैठकर भी एक-दूसरे से बात नहीं करते, क्योंकि हर किसी के हाथ में अपना-अपना मोबाइल है। बच्चे अपने माता-पिता से ज्यादा स्क्रीन के साथ समय बिताते हैं। युवा अपने दोस्तों से मिलते कम हैं, चैट ज्यादा करते हैं। यह डिजिटल दुनिया इस भ्रम में रखती है कि हम अकेले नहीं हैं, जबकि सच्चाई यह है कि हम धीरे-धीरे अपने करीबी लोगों से दूर होते जा रहे हैं।



मायने रखेंगे ये छोटे-छोटे प्रयास

घर-परिवार में कम होते अपनेपन को संभालना कठिन नहीं है, बस इसके लिए जागरूकता और इच्छाशक्ति की जरूरत है। दिन में कुछ समय ऐसा तय करें, जब पूरा परिवार बिना किसी स्क्रीन के साथ बैठे। बातचीत की आदत को फिर से जीवित करें। बच्चों के साथ खेलें, बुजुर्गों के साथ बैठें और उनकी बातें सुनें। 'समय नहीं है' की जगह 'समय निकालना है' की सोच अपनाएं। ये छोटे-छोटे प्रयास ही रिश्तों में बड़ी गर्माहट लौटा सकते हैं।

बचपनः आंगन से स्क्रीन तक

आज बच्चों का बचपन आंगन में नहीं, मोबाइल और टैबलेट की स्क्रीन में सिमटता जा रहा है। जहां पहले खेल, दोस्तों की टोली और दादी-नानी की कहानियां होती थीं, आज वहां वीडियो गेम और वर्चुअल दुनिया ने जगह ले ली है। बच्चे संवाद की कला सीखने से पहले ही स्क्रॉल करना सीख जाते हैं। वे भावनाओं को समझने से पहले ही तकनीक को समझने लगते हैं। इसे अपना लेते हैं, यह बदलाव केवल वर्तमान को नहीं, आने वाले समाज को भी प्रभावित करेगा।

युवा पीढ़ीः भीड़ में अकेले

युवा पीढ़ी भी अकेलेपन और खालीपन से अछूती नहीं है। उसके पास करियर का दबाव है, सफलता की दौड़ है और सोशल मीडिया पर परफेक्ट दिखने की होड़ भी है। युवा अपनी गतिविधियों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हैं, लाइक और कमेंट पाते हैं, लेकिन जब दिल की बात कहने की बारी आती है, तो शब्द कहीं खो जाते हैं। युवा पीढ़ी के पास हजारों कनेक्शन हो सकते हैं, पर सच्चे अर्थों में जुड़ाव बहुत कम होता है। यह अकेलापन दिखाई नहीं देता, लेकिन भीतर गहराई तक महसूस होता है।

साथ और जुड़ाव का अंतर

हमने साथ रहना और जुड़े रहने को एक ही मान लिया है, जबकि दोनों में गहरा अंतर है। साथ रहना भौतिक स्थिति है- एक ही घर, एक ही छत। जबकि जुड़ाव भावनात्मक स्थिति है- एक-दूसरे को समझना, सुनना और महसूस करना। आज हम अपने घरों में साथ तो हैं, लेकिन जुड़ाव कम दिखता है। यही दूरी धीरे-धीरे हमारे भीतर एक खालीपन का रूप ले लेती है।

तय करनी होगी सही दिशा

यह केवल व्यक्तिगत नहीं, सामाजिक बदलाव का विषय है। हमें तय करना होगा कि हम किस दिशा में जाना चाहते हैं। क्या हम अपने बच्चों को केवल तकनीकी दक्षता चाहते हैं या रिश्तों की समझ भी? क्या हम अपने बुजुर्गों को केवल एक कमरा देना चाहते हैं या उनका सम्मान और साथ भी? क्या हम जीवन को केवल सुविधाजनक बनाना चाहते हैं या उसे संवेदनशील भी बनाए रखना चाहते हैं? इन सवालों के जवाब ही हमारे समाज का भविष्य तय करेंगे। घर केवल ईंट, सीमेंट और साज-सज्जा से नहीं बनता। घर बनता है बातों से, हंसी से, साझा पलों से और रिश्तों की गर्माहट से।

आज से करें सुधार की शुरुआत

अगर हमारे घरों में भावनात्मक दूरी बढ़ रही है, तो उसे कम करने की शुरुआत आज से ही करनी होगी, क्योंकि जिंदगी की असली खुशी केवल सुविधाओं और उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उन रिश्तों में छिपी होती है, जहां हमें सुना, समझा और अपनाया जाता है। घर तभी सच मायने में जीवंत बनता है, जब उसमें रहने वाले लोग सिर्फ साथ नहीं रहते, एक-दूसरे से दिल से जुड़े भी रहते हैं।

छोटी-छोटी वो आदतें जो जीत लेती हैं दिल

किसी का दिल जीतने के लिए कुछ बड़ा करने की जरूरत नहीं होती। छोटी-छोटी बातें भी किसी के दिल में आपकी अमिट छाप छोड़ सकती हैं। ये बातें कौन सी हो सकती हैं, जानें।

बिहेवियर

अंजू जैन



किसी का दिन बेहतर बनाने के लिए हमेशा बड़े कामों की जरूरत नहीं होती। कभी मुस्कुराकर बात करना, किसी की परेशानी ध्यान से सुनना, समय पर धन्यवाद देना या किसी अनजान वृद्ध व्यक्ति के लिए दरवाजा खोल देना भी सामने वाले के मन में सम्मान और अपनेपन के भाव पैदा कर सकता है। मधुर और मजबूत रिश्तों का ताना-बाना, छोटी-छोटी संवेदनशीलताओं से ही बुना होता है। आइए, जानते हैं ऐसी छोटी बातें, जो दिलों में अपनापन और सम्मान बढ़ाती हैं।

धन्यवाद कहने में कंजूसी ना करें: किसी ने आपके लिए चाय बनाई, जरूरी कागज ढूंढने में मदद की या फिर कोई छोटा-सा काम कर दिया, तो उसे धन्यवाद जरूर कहें। यह सामने वाले के प्रयास को सराहने का एक प्यारा-सा तरीका है।

सामने वाले की बात पूरी सुनें: बातचीत के दौरान बार-बार मोबाइल देखना, बीच में टोकना या अपनी बात कहने की जल्दबाजी सामने वाले को उपेक्षित महसूस करा सकती है। किसी को ध्यान से सुनना, यह जताता है कि उसके विचार और भावनाएं आपके लिए बहुत मायने रखती हैं।

मुस्कान को आदत बनाएं: एक सहज मुस्कान अनजान लोगों के बीच भी संवाद की शुरुआत कर सकती है। कार्यालय कर्मचारी, सुरक्षाकर्मी, सफाईकर्मी, दुकानदार या पड़ोसी से मुस्कुराकर बात करना, हमारे व्यक्तित्व की सहजता को दर्शाता है। यह ना भूलें कि छोटी-सी आत्मीयता किसी के तनावपूर्ण दिन को हल्का बना सकती है।

दूसरों के समय का सम्मान करें: समय पर पहुंचना, काम तय समय में पूरा करना और मुलाकात को अनावश्यक बड़ा ना करना, आपके अच्छे व्यवहार का हिस्सा है। देर होने पर पहले ही सूचना देना, दूसरों के समय को महत्व देना भी जिम्मेदारी और सम्मान का संकेत है।

छोटी-छोटी मदद करना: बस या रेल में जरूरतमंद को सीट देना, बुजुर्ग को रास्ता पार कराने में मदद करना, भारी सामान उठाने में हाथ बंटाना या नए कर्मचारी को काम समझाना, ये बातें छोटी जरूर लग सकती हैं, लेकिन जरूरत के समय मिली मदद लंबे समय तक याद रहती है।

दिल खोलकर करें तारीफ: किसी ने अच्छा काम किया है, तो उसकी सच्ची प्रशंसा करने में कभी संकोच न करें। प्रशंसा व्यक्ति का उत्साह बढ़ाती है। अगर गलती बतानी हो, तो सबके सामने अपमानित करने के बजाय उचित समय पर शालीनता से बात करें। काम की आलोचना करें, व्यक्ति के सम्मान को ठेस न पहुंचाएं।

हर व्यक्ति के प्रति संवेदनशील रहें: हमारा व्यवहार केवल परिचितों या प्रभावशाली लोगों तक सीमित नहीं होना चाहिए। घर में काम करने वाले व्यक्ति, डिलीवरी कर्मचारी, चालक, सुरक्षाकर्मी और छोटे दुकानदार भी सम्मान के अधिकारी हैं। असहमति के बावजूद हमें अपमानजनक भाषा से बचना चाहिए। किसी की सामाजिक या आर्थिक स्थिति देखकर व्यवहार बदलना सही नहीं।

कृतज्ञता और क्षमा को अपनाएं: रिश्तों में गलतफहमियां होना स्वाभाविक है। हर छोटी बात पर नाराजगी पालने के बजाय संवाद का रास्ता अपनाएं। गलती हो तो बिना बहाने के माफी मांगें और उचित क्षमा-याचना स्वीकार करने का प्रयास करें। दूसरों के सहयोग के प्रति आभार जताएं।



छोटी बातों में भी भरोसेमंद बनें

किसी से किया वादा निभाना, उधार ली वस्तु समय पर लौटाना, गोपनीय बात सुरक्षित रखना और अपनी गलती स्वीकार करना विश्वास की नींव मजबूत करते हैं। छोटे-छोटे वादे निभाना ही विश्वसनीयता का प्रमाण है।



महिलाओं के साथ हिंसा सिर्फ उन्हें शारीरिक रूप से ही नहीं चोटिल करती, मानसिक यंत्रणा का शिकार भी बनाती है। इस हिंसा के पीछे क्या कारण है, यह कैसे बंद हो, इस पर गहनता से विचार करने की जरूरत है। साथ ही इसे रोकने के लिए एकजुट आवाज उठाने की भी आवश्यकता है।

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा बिगाड़ती है मानसिक-शारीरिक सेहत

अवेयरनेस

डॉ. मोनिका शर्मा



वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन और इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च के मुताबिक वॉयलेंस और मेंटल हेल्थ के बीच बहुत गहरा संबंध है। ऐसे में इंटरनेशनल-डे फॉर द एलिमिनेशन ऑफ वॉयलेंस अगेंस्ट वुमेन (25 नवंबर), महिलाओं के मान-सम्मान को बचाने से ही नहीं सेहत सहेजने से जुड़ी सजगता लाने का भी दिन है। असल में अपमानजनक भाषा हो या शरीर पर पड़ी मार, हिंसा के घाव केवल शरीर पर ही नहीं, मन-मस्तिष्क पर भी पड़ते हैं। आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने वाला यह बर्ताव स्त्रियों के मन को बहुत बीमार कर देता है। उन्हें तनाव, डिप्रेशन और अकेलेपन का शिकार बना देता है। इसीलिए महिलाओं के खिलाफ वॉयलेंस की वजह से उनकी फिजिकल-मेंटल हेल्थ बिगड़ने से जुड़े पहलुओं को समझना जरूरी है।

मन की सेहत पर दुष्प्रभाव : हिंसा, दर्बल हो या फिजिकल, मानसिक स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित करती है। ऐसे दुर्व्यवहार से पीटीएसडी यानी पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर और घबराहट जैसी तकलीफें घेर लेती हैं। डिप्रेशन, एंग्जाइटी और आत्महत्या जैसे विचार मन में जगह बनाने लगते हैं। हर समय एक डर और हिचक मन में बनी रहती है। अध्ययन बताते हैं कि किसी भी तरह की हिंसा झेलने वाली महिलाओं में पीटीएसडी होने का जोखिम 7 गुना ज्यादा होता है। असल में वॉयलेंस का माध्यम भाषा हो या बर्ताव, हिंसा का आघात केवल चोट करते समय ही नहीं लगता। अपमान की यह टीस हर समय पीड़ित महिला के मन में बनी रहती है। इस ट्रॉमा से हार्मोनल बदलाव और वैचारिक कंफ्यूजन से लेकर मानसिक थकान तक, बहुत-सी परेशानियां पैदा होती हैं। नींद और भूख कम हो जाती है। डरावने सपने आते हैं। गैसलाइटिंग और ब्लेमिंग भी हिंसक व्यवहार ही होता है। इसका सामना करने वाली महिलाएं फोकस्ड नहीं रह पातीं। अपने हों या पराए, किसी पर विश्वास नहीं कर पातीं। मन दुखाते वॉयलेंट व्यवहार के अपमान से जूझती महिलाओं को कई बार नशे की लत भी लग जाती है। सभी बातों का पूरा पैटर्न मानसिक और भावनात्मक रूप से टूटने का कारण बनता है। शर्मिंदगी के कारण कई स्त्रियां तो खुद को दोषी मानने लगती हैं।

शारीरिक स्वास्थ्य पर असरः महिला के साथ होने वाली हिंसा उन्हें कई शारीरिक बीमारियों का भी शिकार बनाती है। शरीर पर लगने वाली चोट के इंफेक्शन से लेकर, फ्रेक्चर, जलन आदि स्पष्ट देखी जा सकने वाली तकलीफों के अलावा यौन हिंसा के आघात से रक्तस्राव और गर्भपात होने के मामले तक सामने आते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अध्ययन के अनुसार अपने साथी द्वारा हिंसा की शिकार महिलाओं में गर्भपात होने की संभावना भी दोगुनी होती है। मेंटल स्ट्रेस से हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और पाचन की गड़बड़ी जैसी परेशानियां होने लगती हैं। कई महिलाएं अवसाद के कारण ओवरईटिंग करने लगती है।

सामाजिक जीवन का बिखरावः शारीरिक या मनोवैज्ञानिक हिंसा झेलने वाली महिलाएं खुद तक सिमटकर रहने लगती हैं। अपने सामाजिक संबंधों से भी दूर हो जाती हैं। मन-जीवन की टूटन वाली यह स्थिति कई बीमारियों की जड़ बनती है। इसलिए यह बहुत जरूरी है समाज में महिलाओं के साथ हिंसा शारीरिक हो या मानसिक, इसके विरुद्ध सभी को एकजुट होकर पुरजोर आवाज उठानी चाहिए।

मेडिकल सजेशन

डॉ. राजीव चौधरी

जनरल फिजिशियन, नई दिल्ली

पॉल्यूशन से बचने के लिए बरतें ये जरूरी सावधानियां



इन दिनों कई शहरों में बढ़ता वायु प्रदूषण केवल सांस संबंधी बीमारियों का कारण नहीं, बल्कि संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए हार्मफुल हो सकता है। खासकर काम-काजी महिलाओं को रोजाना ऑफिस आने-जाने के दौरान ट्रैफिक के धुएं, धूल और प्रदूषक कणों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में सिर्फ मास्क पहनना काफी नहीं है, बल्कि सेहत को सुरक्षित रखने के लिए कुछ सावधानियां बरतना भी जरूरी है।

इग्नोर न करें: लगातार खांसी, सांस फूलना, सीने में जकड़न, आंखों में जलन, असामान्य थकान या सिरदर्द को सामान्य समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। विशेष रूप से अस्थमा, एलर्जी, हृदय रोग या फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित महिलाओं को अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। यदि सांस लेने में परेशानी या सीने में दर्द हो, तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें। बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक्स, एलर्जी की दवाएं या इनहेलर का इस्तेमाल न करें।

समय का रखें ध्यान: वर्किंग वूमेन को जहां तक संभव हो, अत्यधिक प्रदूषण वाले समय में बाहर निकलने से बचना चाहिए। यदि संभव हो तो ऑफिस के समय में थोड़ा बदलाव करें।

सही मास्क का करें इस्तेमालः सामान्य कपड़े या सर्जिकल मास्क प्रदूषण के बेहद महीन कणों से पूरी सुरक्षा नहीं देते। बाहर निकलते समय अच्छी गुणवत्ता वाला, सही फिटिंग का N95 या समकक्ष प्रमाणित मास्क पहनना अधिक प्रभावी हो सकता है। मास्क से नाक और मुंह को अच्छी तरह ढंकना चाहिए तथा चेहरे पर ढीला नहीं होना चाहिए। मास्क को स्वच्छ रखना भी जरूरी है।

शरीर को हाइड्रेटेड रखें: प्रदूषण के दौरान पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है। पर्याप्त पानी पीना शरीर के सामान्य काम-काज को बनाए रखने में मदद करता है। इसके साथ ही मौसमी फल, हरी सब्जियां, आंवला, अमरूद, संतरा और अन्य पोषक खाद्य पदार्थों को अपने आहार में शामिल करें। विटामिन सी और एंटीऑक्सिडेंट्स से भरपूर खाद्य पदार्थ शरीर की सामान्य प्रतिरक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने में सहायक होते हैं।

हवा को भी रखें साफः यह मानना गलत है कि प्रदूषण का खतरा केवल बाहर ही होता है। घर और ऑफिस के अंदर भी धूल, धुआं, खराब वेंटिलेशन और अन्य प्रदूषक मौजूद हो सकते हैं। संभव हो तो घर और ऑफिस में उपयुक्त क्षमता वाला एयर प्यूरीफायर इस्तेमाल करें।

आउटडोर एक्सरसाइज से बचें: स्वस्थ रहने के लिए व्यायाम जरूरी है, लेकिन अधिक प्रदूषण के दौरान बाहर दौड़ना, साइकिल चलाना नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए एयर क्वालिटी खराब होने पर घर के अंदर रहते हुए ही हल्की एक्सरसाइज करना सही रहता है।

प्रस्तुतिः निकिता चौहान

हेयर केयर

प्रीति गुप्ता

कई महिलाओं का मानना है कि रात में सोते समय बाल बंधे होने चाहिए, जबकि कुछ खुले बालों के साथ सोना सही मानती हैं। सोते समय बालों की देखभाल का सही तरीका क्या हो, जानिए।

क्या आप जानती हैं सोते समय बाल बंधे होने चाहिए या खुले





सोने से पहले बालों को खुला छोड़ना चाहिए या बांधकर सोना चाहिए? यह सवाल अक्सर महिलाओं के मन में रहता है। कुछ लोगों का मानना है कि बाल खोलकर सोने से उन्हें ज्यादा हवा मिलती है, जबकि कुछ लोग बालों को बांधकर सोना बेहतर समझते हैं। दरअसल, दोनों तरीकों के अपने फायदे और नुकसान हो सकते हैं। बालों को किस तरह बांधा जा रहा है और कितनी कसावट से बांधा जा रहा है, यह ज्यादा महत्वपूर्ण है।

सही नहीं बालों को टाइट बांधनाः रात में बालों को बहुत कसकर बांधकर सोने से बालों की जड़ों पर खिंचाव पड़ सकता है। इससे बाल टूटने और हेयरलाइन के आस-पास तनाव बढ़ने की समस्या हो सकती है। इसलिए अगर बाल बांधकर सोना है, तो उन्हें ढीली पोनीटेल, ढीली चोटी या हल्के जूड़े में रखना बेहतर विकल्प हो सकता है। खासकर रबर बैंड या बहुत टाइट हेयर टाई से बाल बांधने से बचना चाहिए। रात भर एक ही जगह पर लगातार दबाव पड़ने से बालों के टूटने की संभावना बढ़ सकती है।

खुले बाल के साथ सोनाः बालों को पूरी तरह खुला रखकर सोने से भी हर किसी को फायदा हो, ऐसा जरूरी नहीं है। खुले हुए लंबे बाल तकिए से बार-बार रगड़ खा सकते हैं, जिससे बाल उलझ सकते हैं और टूटने की समस्या बढ़ सकती है। कारवट बदलते समय बालों में खिंचाव भी पड़ सकता है। इसलिए लंबे या घने बालों को सोने से पहले हल्के हाथों से सुलझाकर ढीली चोटी करना आरामदायक विकल्प हो सकता है।

लंबाई के अनुसार चुनें स्टाइलः छोटे बालों को खुला रखकर सोना आमतौर पर आसान होता है। वहीं, लंबे बालों के लिए ढीली चोटी एक अच्छा विकल्प हो सकती है। घुंघराले या वेवी बालों को बहुत कसकर बांधने से उनका प्राकृतिक पैटर्न प्रभावित हो सकता है। ऐसे बालों को ढीले तरीके से बांधना बेहतर हो सकता है।

यूज करें हेयर टाईः रात में बाल बांधते समय बहुत पतले और कसे हुए रबर बैंड की जगह मुलायम फैब्रिक स्क्रंची या सॉफ्ट हेयर टाई का इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे बालों पर पड़ने वाला खिंचाव कम हो सकता है। हेयर टाई को इतना ढीला रखें कि बालों में खिंचाव या स्कैल्प पर दर्द महसूस न हो।

तकिए का कवर हो सहीः बालों की देखभाल सिर्फ हेयर स्टाइल तक सीमित नहीं है। सोते समय तकिए का कवर भी बालों पर असर डाल सकता है। बहुत खुरदरे कपड़े वाले पिलो कवर से बालों में घर्षण बढ़ सकता है, जिससे बाल उलझने और टूटने की समस्या हो सकती है। इसलिए साफ और मुलायम तकिए के कवर का इस्तेमाल करना बेहतर है।

इन बातों का रखें ध्यानः रात में सोने से पहले बालों की देखभाल के लिए यहां बताई जा रही कुछ आसान आदतें अपनाई जा सकती हैं। जैसे-बालों को धीरे-धीरे कंघी करके सुलझाएं। गीले बालों के साथ सोने से बचें। सोते समय बाल बांधते समय ढीली चोटी या पोनीटेल बनाएं। बहुत टाइट रबर बैंड का इस्तेमाल न करें। बालों को खींचकर या कसकर जूड़ा न बनाएं। तकिए के कवर को नियमित रूप से साफ रखें।

(हेयर एक्सपर्ट राहुल शर्मा से बातचीत पर आधारित)

चिंतन

हवा में जहर, पानी में रसायन आखिर कहां सुरक्षित हैं हम

देश में विकास और आधुनिक जीवनशैली की चमक के बीच एक ऐसा संकट गहराता जा रहा है, जिसकी कीमत आम आदमी अपनी सेहत और जीवन से चुका रहा है। महानगरों में सांस लेना मुश्किल होता जा रहा है और अब बोतलबंद पानी की शुद्धता पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। दिल्ली ही नहीं, मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा, लखनऊ और देश के दूसरे बड़े शहरों में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच रहा है। विडंबना देखिए कि जिस मुंबई को समुद्री हवाओं और खुले वातावरण के कारण अपेक्षाकृत साफ हवा वाला शहर माना जाता था, वहां भी वायु गुणवत्ता दिल्ली से खराब होने पर बॉम्बे हाईकोर्ट को चिंता जतानी पड़ी। दूसरी ओर, देश के सबसे प्रतिष्ठित बोतलबंद पानी के ब्रांडों में शामिल बिसलेरी के एक नमूने को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने असुरक्षित घोषित किया है। ये दोनों घटनाएं मिलकर एक बड़ा सवाल खड़ा करती हैं कि आखिर इस देश में आम नागरिक के लिए साफ हवा और सुरक्षित पानी की गारंटी कौन देगा? वायु प्रदूषण अब किसी एक शहर या मौसम की समस्या नहीं रह गया है। सर्दियों में दिल्ली-एनसीआर की दमघोंटू हवा हर साल सुर्खियां बनती हैं, लेकिन मुंबई जैसे तटीय शहर में भी प्रदूषण का बढ़ता स्तर बताता है कि समस्या की जड़ें कहीं अधिक गहरी हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट ने प्रदूषण पर सुनवाई के दौरान नगर निकायों और सरकारी एजेंसियों की निष्क्रियता पर सवाल उठाए हैं। अदालत ने सड़क किनारे कच्चे हिस्सों से उड़ती धूल को गंभीर आपात स्थिति बताते हुए निर्माण सड़क सफाई, निर्माण मलबे के वैज्ञानिक निपटान और प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों पर नियंत्रण के निर्देश दिए हैं। हवा के बाद अब पानी की शुद्धता पर उठे सवाल और भी चिंताजनक हैं। एफएसएसएआई ने बिसलेरी इंटरनेशनल के गोवा संयंत्र से लिए गए एक नमूने में निर्धारित सीमा से अधिक ब्रोमेट मिलने और जांच में पॉलीन्यूक्लियर एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन की मौजूदगी के आधार पर उत्पाद को असुरक्षित बताया है। नियामक ने कंपनी के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी भी दी है। हालांकि बिसलेरी का कहना है कि मामला सितंबर 2025 में तैयार किए गए एक बैच का है। कंपनी के अनुसार शुरुआती जांच में छह नमूनों में से पांच निर्धारित मानकों पर खरे उतरे थे और छठे में ब्रोमेट की मात्रा निर्धारित सीमा से मामूली अधिक थी। कंपनी ने बाद की स्वतंत्र जांच में ब्रोमेट निर्धारित सीमा के भीतर पाए जाने का दावा किया है। उसका यह भी कहना है कि उसे हालिया कार्रवाई के संबंध में कोई औपचारिक नोटिस नहीं मिला। इस मामले में कंपनी और नियामक के दावों के बीच अंतर को देखते हुए निष्पक्ष और पारदर्शी जांच जरूरी है। ब्रोमेट जल शोधन की प्रक्रिया में उप-उत्पाद के रूप में बन सकता है और इसके लंबे समय तक सेवन को स्वास्थ्य के लिए जोखिमपूर्ण माना जाता है। लेकिन प्रतिष्ठित ब्रांड के मामले में भी गुणवत्ता संबंधी सवाल उठना खाद्य सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर परीक्षा है। जांच के नमूने, प्रयोगशालाओं के निष्कर्ष और कंपनी के जवाब सार्वजनिक होने चाहिए, ताकि उपभोक्ताओं का भरोसा बना रहे। सरकार को सभी कंपनियों के संयंत्रों और उत्पादों की नियमित, स्वतंत्र और पारदर्शी जांच सुनिश्चित करनी चाहिए। मानकों के उल्लंघन पर दंडात्मक कार्रवाई ऐसी हो कि कंपनियों के लिए गुणवत्ता से समझौता करना महंगा साबित हो। दरअसल, स्वच्छ हवा और सुरक्षित पानी को महज पर्यावरण या खाद्य सुरक्षा का तकनीकी विषय मानना भूल होगी। ये नागरिकों के जीवन और स्वास्थ्य से जुड़े बुनियादी अधिकार हैं।



मुद्दा

ओमकार चौधरी

परिसीमन पर सियासी घमासान

सामान्यत: संसद की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद राष्ट्रपति द्वारा सत्रावसान की अधिसूचना जारी कर दी जाती है। इस बार ऐसा नहीं हुआ। इसका अर्थ है कि सरकार निर्धारित प्रक्रिया अपनाकर उसी सत्र की बैठक दोबारा बुला सकती है। सवाल यह है कि मानसून सत्र को इतने लंबे समय तक औपचारिक रूप से समाप्त क्यों नहीं किया गया? क्या इसके पीछे महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन को दोबारा संसद में लाने की तैयारी है? विपक्ष विशेषकर कांग्रेस इन्हीं सवालों को उठा रही है। केंद्र सरकार ने 16 अप्रैल को लोकसभा में संविधान का 131वां संशोधन विधेयक, परिसीमन विधेयक और केंद्रशासित प्रदेशों से संबंधित विधेयक प्रस्तुत किए थे।

संसद का मानसून सत्र 13 अगस्त 2026 को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था, लेकिन उसका औपचारिक सत्रावसान अब तक नहीं हुआ है। 21 नवंबर को इस स्थिति के सौ दिन पूरे हो गए। भारतीय संसदीय इतिहास में यह असामान्य घटनाक्रम है। सामान्यतः संसद की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद राष्ट्रपति द्वारा सत्रावसान की अधिसूचना जारी कर दी जाती है। इस बार ऐसा नहीं हुआ। इसका अर्थ है कि सरकार निर्धारित प्रक्रिया अपनाकर उसी सत्र की बैठक दोबारा बुला सकती है। सवाल यह है कि मानसून सत्र को इतने लंबे समय तक औपचारिक रूप से समाप्त क्यों नहीं किया गया? क्या इसके पीछे महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन को दोबारा संसद में लाने की तैयारी है? विपक्ष विशेषकर कांग्रेस इन्हीं सवालों को उठा रही है। इस घटनाक्रम को समझने के लिए अप्रैल में लौटना होगा। केंद्र सरकार ने 16 अप्रैल को लोकसभा में संविधान का 131वां संशोधन विधेयक, परिसीमन विधेयक और केंद्रशासित प्रदेशों से संबंधित विधेयक प्रस्तुत किए थे। इनका उद्देश्य महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की व्यवस्था को प्रभावी बनाना और लोकसभा तथा विधानसभाओं के निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण का रास्ता खोलना था।

प्रस्ताव में लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 543 से बढ़ाकर 850 करने की व्यवस्था थी। सरकार चाहती थी कि महिला आरक्षण आगामी लोकसभा चुनाव से प्रभावी हो सके। लेकिन 17 अप्रैल को संविधान संशोधन आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर पाया। कुल 528 सांसदों ने मतदान किया। पक्ष में 298 और विरोध में 230 वोट पड़े। संविधान संशोधन पारित करने के लिए कम से कम 352 वोट आवश्यक थे। इस प्रकार सरकार 54 वोटों से पीछे रह गई। इसके बाद संबंधित दोनों अन्य विधेयक भी वापस ले लिए गए। पिछले सात महीनों में संसद का राजनीतिक गणित काफी बदल गया है। आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना बड़े स्तर पर टूट हुई। इन घटनाओं से भाजपा तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के संसदीय समर्थन में वृद्धि हुई है। अप्रैल के अंतिम सप्ताह में आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसद भाजपा में शामिल हो गए। इसके बाद तृणमूल कांग्रेस को बड़ा झटका लगा। जून में उसके 20 लोकसभा सांसदों ने अलग गुट बनाकर नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया से जुड़ने और एनडीए को समर्थन देने की घोषणा की। हालांकि इनके दल-बदल को लेकर तृणमूल कांग्रेस की अयोग्यता याचिकाओं पर संसदीय प्रक्रिया चलती रही। इस कारण समर्थन की घोषणा और कानूनी रूप से मान्य विलय में अंतर करना आवश्यक है। तृणमूल के चार राज्यसभा सांसदों ने भी अलग-अलग समय पर इस्तीफे दिए और भाजपा में शामिल हुए। महाराष्ट्र में 22 जून को उद्धव ठाकरे की शिवसेना के छह लोकसभा सांसद एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो गए। इससे उद्धव गुट की लोकसभा संख्या नौ से घटकर तीन रह गई। इन घटनाओं को जोड़ने पर विपक्षी दलों के 37 सांसदों के पाला बदलने का चित्र सामने आता है। हालांकि सभी सीधे भाजपा में शामिल नहीं हुए और सभी मामलों की संसदीय स्थिति एक जैसी नहीं है। इसलिए



इस संख्या को भाजपा की सदस्य संख्या में सीधे जोड़ना उचित नहीं होगा। भाजपा सूत्रों ने लोकसभा में एनडीए और उसके समर्थकों की संख्या लगभग 320 तथा राज्यसभा में 155 बताई। दूसरी रिपोर्टों में लोकसभा की संख्या 319 भी बताई गई है। यह अंतर बताता है कि औपचारिक गठबंधन सदस्यता और बाहर से समर्थन देने वालों की गणना में सावधानी आवश्यक है। संविधान संशोधन के लिए प्रत्येक सदन की कुल सदस्य संख्या का बहुमत और उपस्थित तथा मतदान करने वाले सदस्यों के कम से कम दो-तिहाई मत आवश्यक हैं। यदि लोकसभा के सभी 543 सदस्य मतदान करें, तो 362 वोट चाहिए होंगे। इस स्थिति में 320 समर्थकों वाली सरकार को 42 अतिरिक्त वोटों की आवश्यकता पड़ेगी। इसीलिए समाजवादी पार्टी, डीएमके और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की भूमिका पर निगाहें टिकी हैं। समाजवादी पार्टी के 37, डीएमके के 22 और शरद पवार की पार्टी के आठ लोकसभा सांसद हैं। तीनों के कुल 67 सांसद होते हैं। यदि ये दल समर्थन करें, तो सरकार का काम आसान हो सकता है। लेकिन अभी किसी ने नए प्रस्ताव पर बिना शर्त समर्थन घोषित नहीं किया है। डीएमके दक्षिणी राज्यों की संसदीय हिस्सेदारी सुरक्षित रखने की गारंटी चाहती है। शरद पवार की पार्टी में भी सभी राज्यों की सीटें समान अनुपात में बढ़ाने जैसे विकल्पों पर चर्चा हुई है। समाजवादी पार्टी के संभावित रुख को लेकर भाजपा सूत्रों के आकलन सामने आए हैं, लेकिन अखिलेश यादव की ओर से सहमति की पुष्टि नहीं हुई है। राज्यसभा में बीजू जनता दल, वाईएसआर कांग्रेस, बीआरएस, बसपा तथा निर्दलीय सांसदों की संभावित भूमिका भी महत्वपूर्ण हो सकती है। समर्थन के अलावा मतदान से अनुपस्थित रहने का फैसला भी संविधान संशोधन के गणित को प्रभावित कर सकता है। लेकिन संभावनाओं को निश्चित समर्थन मान लेना जल्दबाजी होगी। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने 14 नवंबर को सवाल उठाया कि महिलाओं को आरक्षण देने के नाम पर व्यापक परिसीमन क्यों कराया जा रहा है? उनका कहना है कि यदि उद्देश्य महिलाओं को संसद में एक-तिहाई प्रतिनिधित्व देना है, तो मौजूदा 543 सीटों में से ही एक-तिहाई सीटें आरक्षित की जा सकती हैं। इसके लिए लोकसभा की सदस्य संख्या बढ़ाना अनिवार्य नहीं है। उन्होंने सरकार से प्रस्तावित विशेष संसदीय बैठक और नए विधेयक की स्थिति स्पष्ट करने की भी मांग की। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इस विवाद को संसद के सत्रावसान में हो रही देरी से जोड़ा है। उन्होंने कहा कि मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुए सौ दिन पूरे हो चुके हैं, लेकिन उसका सत्रावसान नहीं किया गया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर परिसीमन संबंधी संविधान संशोधन के लिए दो-तिहाई बहुमत जुटाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। बहुमत जुटाने के तरीके पर भी उन्होंने सवाल उठाए। हालांकि इस राजनीतिक आरोप को प्रमाणित तथ्य नहीं माना जा सकता। अब प्रश्न है कि सरकार अप्रैल में असफल हो चुके प्रस्ताव को किस रूप में वापस लाएगी। क्या वह संसदीय संख्याबल के आधार पर संशोधन पारित कराने का प्रयास करेगी अथवा विपक्षी दलों की आपत्तियों के समाधान के लिए नया प्रारूप तैयार होगा? क्या क्षेत्रीय दल राज्यों का प्रतिनिधित्व सुरक्षित रखने की संवैधानिक गारंटी मिलने पर समर्थन देंगे? और क्या महिला आरक्षण को व्यापक परिसीमन से अलग करके कोई सहमति बन सकती है? इन सवालों के उत्तर सरकार के अगले कदम और नए विधेयक की वास्तविक सामग्री से मिलेंगे। फिलहाल इतना स्पष्ट है कि अप्रैल की तुलना में संसदीय अंकगणित बदल चुका है, लेकिन महिला आरक्षण और परिसीमन पर राजनीतिक सहमति का प्रश्न अब भी अनसुलझा है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

प्रकाश पर्व

मनोज वशिष्ठ



समतामूलक समाज का नानक-मॉडल

गुरु नानक का संदेश 557 साल बाद आज भी नया है। उन्होंने जात-पात, ऊंच-नीच और अंधविश्वास के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि न कोई हिंदू है, न कोई मुसलमान, सब इंसान हैं। आज जब दुनिया धर्म के नाम पर बंट रही है, तब गुरु नानक का संदेश और भी जरूरी हो जाता है। मानव इतिहास इस बात का गवाह है कि जब-जब समाज में वैचारिक जड़ता, पाखंड और ऊंच-नीच की दीवारें मानवीय संवेदनाओं का गला घोंटने लगती हैं, तब-तब इस धरा पर ऐसे महापुरुषों का प्राकट्य होता है जो लीक से हटकर एक नए और प्रबुद्ध समाज की नींव रखते हैं। मध्यकाल के उस संधिकाल में, जब धर्म और जाति के नाम पर इंसान को इंसान से काटा जा रहा था, तलवंडी की पावन माटी पर एक ऐसे युगदृष्टा का अवतरण हुआ जिन्होंने तलवार के बल पर नहीं, बल्कि प्रेम, करुणा और सहज जीवन-दर्शन के बल पर पूरी दुनिया का मन जीत लिया। वे गुरु नानक देव थे। गुरु नानक का दर्शन एक ऐसा जीवंत और व्यावहारिक मॉडल है जो आज की उलझन भरी दुनिया में भी इंसान को इंसान से जोड़ने का सबसे अचूक सूत्र प्रदान करता है। उनके इस विराट दर्शन के तीन सबसे मजबूत और आधारभूत स्तंभ हैं- संगत, पंगत और 'सरबत दा भला'। 'संगत' केवल कुछ लोगों का एक स्थान पर एकत्र होना मात्र नहीं है। यह वैचारिक और आत्मिक एकात्मकता का वह पवित्र मंच है, जहां किसी राजा और रंक, अमीर और गरीब, उच्च और निम्न का कोई भेद नहीं रहता। उस दौर में जहां समाज जातिगत सोपान में जकड़ा हुआ था, गुरु नानक ने एक ऐसा खुला आकाश रचा जहां हर प्राणी समान भाव से बैठ सकता था। संगत का अर्थ है- सत्संग, यानी सत्य के संग जुड़ना। जब विभिन्न पृष्ठभूमियों के लोग एक ही छत के नीचे बैठकर समभाव से उस परम सत्य का स्मरण करते हैं, तो अहंकार की सारी दीवारें अपने आप ढह जाती हैं। यह सामाजिक समावेशन का पहला पाठ था। संगत के वैचारिक धरातल को व्यावहारिक धरातल पर जीवंत रूप देने वाली परंपरा थी- 'पंगत'। पंगत यानी 'एक ही पंक्ति'। यह करतारपुर की वह ऐतिहासिक प्रयोगशाला थी जहां गुरु नानक ने स्वयं हल चलाया, मेहनत की कमाई से अन्न उगाया और उस अन्न से तैयार भोजन को एक विशाल साझी रसोई (लंगर) के रूप में परोसा। उस लंगर में जब कोई राजा अपनी राजसी पोशाक छोड़कर और कोई साधारण मजदूर एक ही कतार में जमीन पर बैठकर भोजन करते थे, तो वह क्षण समाजवाद की किसी भी किताबी परिभाषा से बहुत ऊपर उठकर एक मानवीय सत्य बन जाता था। पंगत ने छुआछूत और ऊंच-नीच की बीमारी पर सीधा और निर्णायक प्रहार किया। यह उद्घोष था कि भूख की कोई जाति नहीं होती। इस मॉडल की परिपूर्णता होती है तीसरे महामंत्र में- 'सरबत दा भला'। इतिहास में अधिकांश आंदोलनों ने अपने अपनों के कल्याण की बात की। इसके विपरीत, सिख परंपरा की प्रत्येक अरदास का समापन इसी वैश्विक कामना से होता है -"नानक नाम चढ़दी कला, तेरे भाणे सरबत दा भला"। इसमें केवल अपने परिवार या देश का ही नहीं, बल्कि इस ब्रह्मांड के हर जीव और प्रकृति के हर घटक के कल्याण की प्रार्थना छिपी है। जिसकी चेतना में 'सरबत दा भला' बस जाता है, वह किसी से बैर नहीं रख सकता। आज 21वीं सदी में भौतिक उन्नति के बावजूद मनुष्य के भीतर दूरियां बढ़ती जा रही हैं। दुनिया जाति, मजहब, राष्ट्र और आर्थिक असमानता की दीवारों में फिर बंट रही है। ऐसे समय में यह 'नानक-मॉडल' हमारे लिए किसी प्रकाशस्तंभ से कम नहीं है। सच्चा मनुष्य वही है जो अपनी कमाई का एक हिस्सा जरूरतमंदों के साथ बांटे (वंड छके), श्रम की पवित्रता को समझे (किरत करे), और अंतःकरण में सबके कल्याण की भावना रखे। समतामूलक समाज किसी कानून या हुक्म से नहीं बनता, बल्कि हृदय के रूपांतरण और साझी संस्कृति से बनता है। आइए, इस पावन प्रकाश पर्व पर इस शाश्वत मॉडल को अपने आचरण में उतारें, क्योंकि जो मन को जीतता है, वही इस संसार को जीतता है और नानक ने अपने निश्छल प्रेम व सेवा से हमेशा-हमेशा के लिए इस पूरी मानवता का मन जीत लिया है।

(लेखक शिक्षाविद् हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जीवन बना और बिगाड़ सकती हैं ये चीजें



आम आदमी अपने दिन का पूरा समय इन दो जगहों पर बिताता है वो है घर या फिर दफ्तर में। जैसी व्यक्ति की संगति होती है वैसी ही उसकी मति हो जाती है। इसलिए जरूरी होता है कि व्यक्ति को हमेशा अपने लिए सही वातावरण चुनना चाहिए, जिससे वह सही पथ पर चल। आचार्य प्रशात क अनुसार, एक व्याक्त किस आधार पर ववाह करता ह या फिर कैसी संगति चुनता है। यह महत्व की बात है कि वह व्यक्ति किसके साथ रह रहा है। आप चाहे विवाह करके रह रहे हो या फिर बिना विवाह करके अपना जीवन व्यय कर रहा हो। ऐसे में व्यक्ति को जरूर हमेशा याद रखना चाहिए कि वह अपने जीवनसाथी का चयन किस आधार पर कर रहा है। हर एक छोटी बात जैसे कि वह व्यक्ति अब से लगातार मेरे कमरे में रहेगा? किसके शब्द लगातार पड़ने लग गए हैं तुम्हारे कानों में? इन चीजों को याद करके ही निर्णय लेना चाहिए। क्योंकि इसी बात पर तुम्हारी जिंदगी या तो बन जाएगी या बिल्कुल बर्बाद हो जाएगी। आचार्य प्रशांत आगे कहते हैं कि यहीं बात दफ्तर के लिए है कि दिन के आठ से दस घंटे आप किन लोगों की शक्लें देखते हैं या आप अपना बॉस बोलते हो, वो यूं ही है कोई सड़क का आदमी जो तुम्हारी जिंदगी पर अब अधिकार रखने लग गया है तो तुम बर्बाद हो जाओगे। यही बात दफ्तर के माहौल पर और धंधे की प्रकृति पर लागू होती है। तुम्हारी संस्था किस तरह का व्यवसाय करती है और तुम्हारे काम में किस तरह के लोग लगे हुए हैं?

संकलित

दर्शन

कोयला और चंदन



चौधरी पहलवान का पूरा जीवन जरूरतमंदों की सहायता के लिए समर्पित हुआ था। जब उनका अंतिम समय नजदीक आया तो उन्होंने अपने बेटे को पास बुलाया। बेटा पास आ गया तो उन्होंने उससे कहा-देखो बेटा, मैंने अपना सारा जीवन दुनिया को शिक्षा देने में गुजार दिया। अब अपने आतम समय म म तुम्ह कुछ जरूरा बात बताना चाहता हू। लोकन इससे पहले जरा तुम एक कोयला और चंदन का एक टुकड़ा उठा कर ले लाओ। बेटे को पहले तो यह बड़ा अटपटा लगा, लेकिन उसने सोचा कि अब पिता का हुक्म है तो यह सब लाना ही होगा। उसने रसोई घर से कोयले का एक टुकड़ा उठाया। संयोग से घर में चंदन की एक छोटी लकड़ी भी मिल गई। वह दोनों को लेकर अपने पिता के पास पहुंच गया। उसे आया देख पहलवान बोले- बेटा, अब इन दोनों चीजों को नीचे फेंक दो। बेटे ने दोनों चीजें नीचे फेंक दीं और हाथ धोने जाने लगा तो पहलवान बोले- जरा ठहरो बेटा। मुझे अपने हाथ तो दिखाओ। बेटे ने हाथ दिखाए तो वह उसका कोयले वाला हाथ पकड़ कर बोले, देखा तुमने। कोयला पकड़ते ही हाथ काला हो गया। लेकिन उसे फेंक देने के बाद भी तुम्हारे हाथ में कालिख लगी रह गई। गलत लोगों की संगति ऐसी ही होती है। उनके साथ रहने पर भी दुख होता है और उनके न रहने पर भी जीवन भर के लिए बदनामी साथ लग जाती है। दूसरी ओर सज्जनों का संग इस चंदन की लकड़ी की तरह है जो साथ रहते हैं तो दुनिया भर का ज्ञान मिलता है और उनका साथ छूटने पर भी उनके विचारों की महक जीवन भर बनी रहती है।

संकलित

प्रेरणा

शीतलहर



आज की पाती

संसद सत्र को लेकर नया रिकार्ड

भारतीय संसदीय इतिहास में 21 नवंबर 2026 की तारीख एक अलग वजह से दर्ज हो गई। संसद का मानसून सत्र समाप्त हुए बिना ही 100 दिन की अवधि पार कर गया। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी, लेकिन राष्ट्रपति की ओर से अब तक औपचारिक सत्रावसान की अधिसूचना जारी नहीं हुई। इस प्रकार संसद का मानसून सत्र पिछले 87 दिनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए एक नए ऐतिहासिक पड़ाव पर पहुंच गया। वर्ष 2006 में संसद का एक सत्र 87 दिनों तक औपचारिक रूप से समाप्त नहीं हुआ था। इस बार यह अवधि 100 दिनों तक पहुंच गई है।

- रामपाल सिंह, हिसार

ट्रेंड

सर्वाइकल कैंसर

हर लड़की को सर्वाइकल कैंसर से बचाने और उनके लिए एक स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम है। मैं उन सभी हितधारकों की सराहना करता हूँ, जिनके प्रयासों से यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल हुई है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

धार्मिक परंपरा

मैं भारतीय आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं में जितना गहराई से उतरता हूँ, उतनी ही चीजें स्पष्ट होती जाती हैं। भाजपा और आरएसएस असत्य, लालची, जातिवादी और पुरुष-प्रधान सोच वाले लोग हैं, जिन्हें हमारी आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं की रत्ती भर भी समझ नहीं है।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

प्रशासन पर दबाव

पंचायती राज चुनावों में करारी हार के बाद भी भाजपा सरकार ने कोई सबक नहीं सीखा है। कई इलाकों से ऐसी खबरें आ रही हैं कि भाजपा सरकार पुलिस और प्रशासन पर दबाव डालकर बोर्ड बनाने के लिए जबरदस्ती का तरीका अपनाना चाहती है। - अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

निष्पक्षता का साथ

आज की दुनिया में पत्रकार करना, प्यार करना और सच्चाई व निष्पक्षता का साथ देना - इसके लिए हिम्मत चाहिए। बीबीसी 31 से वह समझौता नहीं मिल पाया जिसकी इस धरती को जरूरत है, लेकिन विज्ञान स्पष्ट है और समाधान मौजूद है।

- दीया मिर्जा, अभिनेत्री



करंट अफेयर

तेल रिसाव से कोलंबो का 3 किमी समुद्र तट प्रदूषित

श्रीलंका के कोलंबो बंदरगाह पर तेल रिसाव के कारण मुतवाल समुद्र तट सहित तीन किलोमीटर से अधिक लंबा तटीय इलाका प्रदूषित होने के बाद तेल के फैलाव को रोकने और प्रभावित इलाकों की सफाई के लिए व्यापक अभियान शुरू किया गया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, शनिवार सुबह कोलंबो बंदरगाह के 'जया कंटेनर टर्मिनल' (जेसीटी) संख्या 108 पर स्थित एक भंडारण टैंक से तेल का रिसाव हुआ। इस टैंक की क्षमता लगभग 1,000 टन थी और घटना के समय यह पूरी तरह भरा हुआ था। श्रीलंका सरकार के आधिकारिक समाचार पोर्टल 'न्यूज डॉट एलके' की खबर के मुताबिक, टैंक के क्षतिग्रस्त निकासी वाल्व से मरीन गैस ऑयल (एमजीओ) का रिसाव हुआ। एमजीओ एक हल्का और परिष्कृत पेट्रोलियम ईंधन है। खबर के अनुसार, श्रीलंका बंदरगाह प्राधिकरण (एसएलपीए) ने शनिवार सुबह स्थानीय समयानुसार करीब साढ़े दस बजे तेल के रिसाव को रोक दिया। घटना की सूचना मिलने के लगभग एक घंटे के भीतर रिसाव पर काबू पा लिया गया था।

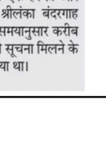

ऑफ बीट

कम्पास की सुई हमेशा उत्तर दिशा की ओर क्यों घूमती है

क्या आपने कभी कम्पास (दिशासूचक यंत्र) को अलग-अलग दिशाओं में घुमाकर यह देखने की कोशिश की है कि उसकी सुई किस तरह प्रतिक्रिया करती है? कम्पास को किसी भी दिशा में घुमाएं, उसकी सुई अंततः उत्तर दिशा की ओर ही मुड़ जाती है। इसके पीछे कोई जादू नहीं, बल्कि भौतिक विज्ञान का एक दिलचस्प सिद्धांत काम करता है। आज के हाईटेक दौर में भी कम्पास दिशा जानने का एक उपयोगी साधन बना हुआ है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे काम करने के लिए बिजली की जरूरत नहीं होती, जबकि जीपीएस जैसे उपकरण बिजली पर निर्भर होते हैं। इसके अलावा, कम्पास किसी भी मौसम और रोशनी की स्थिति में काम कर सकता है। जबकि सूर्य, तारों या आसपास की पहचान योग्य जगहों के जरिये दिशा पता करने के लिए इनका दिखाई देना जरूरी होता है। यदि आपको उत्तर दिशा का पता है, तो आप आसानी से दूसरी दिशाओं का भी निर्धारण कर सकते हैं। कम्पास के काम करने का आधार पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र है। मानव सभ्यता दो हजार साल से भी अधिक समय से इस प्राकृतिक घटना का इस्तेमाल करती आ रही है।

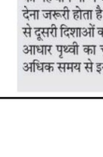

खबर संक्षेप

रेड्डी हैदराबाद में 'नशामुक्त भारत' पदयात्रा निकालेंगे

हैदराबाद। केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी केंद्र सरकार के 'नशामुक्त भारत' अभियान के समर्थन में लोगों को जागरूक करने यहां 25, 26 और 27 नवंबर को पदयात्रा निकालेंगे। सिकंदराबाद से लोकसभा सदस्य रेड्डी ने बताया कि पदयात्रा 25 को अंबरपेट से शुरू होगी और 27 को जुबली हिल्स में समाप्त होगी।

प्रकाश पर्व पर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। सिख धर्म के संस्थापक और प्रथम गुरु गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर मंगलवार को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उपराष्ट्रपति समेत कई केंद्रीय मंत्रियों ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। देव की शिक्षाओं को याद करते हुए कहा कि सत्य, सेवा, समानता, करुणा और मानवता के कल्याण का उनका संदेश आज भी प्रासंगिक है।

मंडी में मंत्री का पुतला फूंका पुलिस से की धक्का-मुक्की

मंडी। राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी की ओर से विधानसभा में भारतीय सेना को लेकर की गई कथित टिप्पणी के विरोध में भाजपा युवा मोर्चा जिला मंडी ने प्रदर्शन किया। लोगों ने उपायुक्त कार्यालय के बाहर धरना देने के बाद शहर में रैली निकाली और मंत्री का पुतला जलाकर प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा घाटों पर उमड़ी आस्था

उन्नाव। कार्तिक पूर्णिमा पर मंगलवार को हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। भोर से ही गंगा घाटों पर भीड़ जुटने लगी। लोगों ने स्नान के बाद पूजा-अर्चना की और पंडों को दान-दक्षिणा दी।

नाबालिग पुत्री/पुत्र के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक/पालक द्वारा प्रमाणित)

मैं असराम पैकरा (माता/पिता/पालक का नाम)

सुपुत्र/सुपुत्री मुना राम गांव /शहर लिलोटी तहसील डौरा कोचली जिला बलरामपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम कुं आंचल (पुराना नाम) से बदलकर आँचल पैकरा (नया नाम) रख लिया है। असराम पैकरा माता/पिता/पालक के हस्ताक्षर

अकाली दल की एनडीए में वापसी (गठबंधन) पर प्रधानमंत्री मोदी बोले

प्रकाश पर्व पर पुराने साथी के आने पर जताई खुशी

पंजाब के लोगों का कल्याण करना प्राथमिकता, जनता की पसंद बनेगा

राज्य को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए मिलकर काम करेंगे



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को शिरोमणि अकाली दल की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में वापसी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस गठबंधन की प्राथमिकता पंजाब और पंजाब के लोगों का कल्याण है। खास बात यह है कि अकाली दल की वापसी श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के मौके पर हुई है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर अपनी खुशी जाहिर की।

उन्होंने कहा कि पंजाब और पंजाबियों का कल्याण सबसे पहले! मुझे बेहद खुशी है कि शिरोमणि अकाली दल एनडीए परिवार में लौट आया है और वह भी श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भाजपा और अकाली दल का गठबंधन स्वाभाविक है। यह पंजाब में जनहितकारी शासन सुनिश्चित करने और राज्य को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए काम करेगा। उन्होंने इस गठबंधन के पुराने इतिहास का भी जिक्र किया।

पंजाब को जन-हितैषी शासन मिलेगा

पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए कहा कि पंजाब और पंजाबियों के कल्याण को सबसे ऊपर रखना! मुझे बहुत खुशी है कि शिरोमणि अकाली दल को एनडीए परिवार में वापसी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि अकाली दल की वापसी श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के मौके पर हुई है। यह पंजाब में जन-हितैषी शासन लाएगी, जो राज्य को प्रगति की नई ऊंचाइयों तक ले जाए।

वाजपेयी-आडवाणी को किया याद

पीएम मोदी के मुताबिक, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री सरदार प्रकाश सिंह बादल ने इस साझेदारी को मजबूत बनाया और सींचा था। प्रधानमंत्री ने कहा कि अकाली दल और भाजपा का गठबंधन समय की कसौटी पर खरा उतरा है। उन्होंने भरोसा जताया कि दोनों दलों की यह साझेदारी पंजाब के लोगों की पसंद बनेगी।

गठबंधन पर बोले भाजपाध्यक्ष नवीन

'स्वाभाविक गठबंधन' बताया, राज्य को नशामुक्त विकासोन्मुखी बनाएंगे



भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन नेनाई दिल्ली में आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शिरोमणि अकाली दल के साथ गठबंधन को 'स्वाभाविक गठबंधन' बताया। उन्होंने कहा कि सीटों के बंटवारे पर दोनों दल बाद में चर्चा करेंगे, लेकिन साथ आने से पंजाब की सेवा करने का स्पष्ट संदेश गया है। उन्होंने शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल, पार्टी सदस्यों और उनके सहयोगियों का एनडीए परिवार में स्वागत किया और कहा कि इससे गठबंधन की ताकत बढ़ेगी। एनडीए के तहत दोनों दल मिलकर पंजाब को नशामुक्त बनाने, युवाओं को राज्य में ही रोजगार दिलाने, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और विकासोन्मुखी सरकार बनाने के लिए काम करेंगे।

केजरीवाल ने कहा — ये केवल सत्ता के लिए के लिए गठबंधन कर रहे



पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा और अकाली दल का गठबंधन आश्चिकार को हो गया है। पिछले 1-2 महीने से इस गठबंधन के होने की चर्चा पंजाब की सियासत में सबसे ज्यादा हो रही थी। 6 साल के बाद अकाली दल और बीजेपी एकसाथ आए हैं। दोनों दल 2027 का चुनाव मिलकर साथ लड़ेंगे।बीजेपी-अकाली दल गठबंधन को लेकर आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि यह लोग सत्ता के लिए एकसाथ आ जाते हैं और फिर एक साथ आ जाते हैं। केजरीवाल मंगलवार को गुरु पर्व के मौके पर गुरुद्वारा श्री रकाबगंज साहिब पहुंचे जहां उन्होंने मत्था टेककर प्रार्थना की और सभी देशवासियों को गुरु पर्व की शुभकामनाएं दीं। इसी दौरान मीडिया से बात करते हुए केजरीवाल ने कहा कि ये लोग सत्ता के लिए साथ आ जाते हैं और फिर एक साथ आ जाते हैं।

पंजाब को नशे-ड्रग्स के जाल में झोंकने के लिए साथ आएः संजय

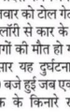

आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि दोनों दलों का गठबंधन 'जीरो' है। अजीब बात है कि जिस अकाली दल और भाजपा ने पंजाब के घर-घर में नशा पहुंचाने का अपराध किया। 10 सालों तक पंजाब को बर्बाद करने का अपराध किया। नशे-ड्रग्स के जाल में झोंकने गठबंधन कर रहे हैं।

ऐसा क्या बदला भाजपा-अकाली साथ आएः तिवारी



गठबंधन की मंगलवार को हुई घोषणा को लेकर कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पंजाब के किसान भाजपा और अकाली दल से पूछेंगे और उन्हें बताना होगा कि ऐसा क्या बदला गया है कि दोनों पार्टियों ने फिर से हाथ मिला लिया है।

यूथ कांग्रेस ने जुकरबर्ग को भी संघ से जोड़ा

मेटा भाजपा का बेटा, उसके समर्थक कंटेंट पर चुप्पी साधी





एजेंसी ▶▶ बेंगलुरू

कर्नाटक के यूथ कांग्रेस ने मंगलवार को मेटा कंपनी के खिलाफ एक पोस्टर अभियान चलाया। यूथ कांग्रेस ने मेटा पर आरोप लगाया कि वे नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना करने वाली सोशल मीडिया पोस्ट को चुन-चुन कर हटा रहे।आगे कहा कि मेटा ने भाजपा समर्थक कंटेंट पर चुप्पी साध रखी है, उसे रहने दे रही है, जबकि विपक्ष के कंटेंट को हटा रही या रोक लगा रही। यूथ कांग्रेस ने केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट रोड पर टोल प्लाजा के पास सदाहल्ली गेट पर एक बड़ा बैनर लगाया, जिसमें उन्होंने मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग को आरएसएस के यूनिफॉर्म में दिखाया। यूथ कांग्रेस ने इसके अलावा शहर में चिक्कजाला और अन्य जगहों पर भी पोस्टर लगाए।

- सदाहल्ली गेट पर लगाया बड़ा बैनर, जुकरबर्ग को आरएसएस के यूनिफॉर्म में दिखाया

लिखा- 'मार्क भाजपा बर्ग'

सदाहल्ली गेट पर लगे फ्लेक्स में मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग के नाम को भी आरएसएस से जोड़ा। पोस्टर में यूथ कांग्रेस ने अरबपति कारोबारी को 'मार्क भाजपा बर्ग' बताया। साथ ही लिखा, 'मेटा भाजपा का बेटा'।

54 लाख पोस्ट या अकाउंट्स पर रोक लगी

यह विरोध प्रदर्शन उन रिपोर्टों के बाद हुआ, जिनमें बताया गया कि मेटा ने 2026 की पहली छमाही में 54 लाख से ज्यादा पोस्ट या अकाउंट्स पर रोक लगाए गए, जबकि 2026 में कुल 70,000 पोस्ट ही हटाए गए थे।

गौड़ा ने की कंपनी की निंदा

विरोध करने वाले कर्नाटक प्रदेश यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष एचएस मंजूनाथ गौड़ा ने कहा कि पार्टी मेटा के कदमों की निंदा करती है। गौड़ा ने कहा कि कांग्रेस के पक्ष में या भाजपा के खिलाफ की गई पोस्ट को तुरंत हिंदा जा रहा है। दिलचस्प टेक कंपनी मेटा के कामकाज पर सवाल उठाए। इनमें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नफरत फैलाने वाले भाषणों को रोकने में विफलता, फर्जी खबरों को फैलने देना, राजनीतिक दबाव के आगे झुकना और यूजर के निजी जानकारी की गोपनीयता को लेकर चिंताए शामिल हैं। मंजूनाथ ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को लोकतांत्रिक सिद्धांतों के हिसाब, बिना किसी राजनीतिक दल का पक्ष लिए, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से काम करना चाहिए।

दास को ब्रिटेन जाने से रोका तो भड़के दीपके

माल्या, नीरव और चोकसी जैसी धोखाधड़ी नहीं की, फ्रॉड करो...

एजेंसी ▶▶ संभाजीनगर

ब्रिटेन की यात्रा करने से रोक दिया गया, जहां उन्हें कॉंकरोच आंदोलन पर बोलने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने कहा, वे कॉंसपो के गठन से पहले, उसी पासपोर्ट पर दो बार विदेश गया था। उस समय, सरकार को कोई विसंगति पासपोर्ट मेंनहीं मिली। सरकार पर निशाना साधते हुए, दीपके ने कहा कि दास को इसलिए रोका गया, क्योंकि उन्होंने विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चोकसी जैसी धोखाधड़ी नहीं की थी। फ्राड करो और विदेश जाओ।

आंध्र प्रदेश में भोगापुरम में हादसा

टोल गेट के पास खड़ी लॉरी से कार टकराई, 5 की मौत



एजेंसी ▶▶ भोगापुरम (आंध्र प्रदेश)

आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में मंगलवार को टोल गेट के पास खड़ी एक लॉरी से कार के टकरा जाने से 5 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार यह दुर्घटना सुबह करीब 7:30 बजे हुई जब एक एसयूवी कार सड़क के किनारे खड़ी लॉरी से टकरा गई। विजयनगरम के पुलिस अधीक्षक (एसपी) एआर दामोदर ने कहा कि आज सुबह भोगापुरम टोल गेट के पास एसयूवी के खड़े ट्रक से टकरा जाने से 5 लोगों की मौत हो गई। कार में सवार 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पांचवां व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में उसने दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि पीड़ित मंदिर में दर्शन करके लौट रहे थे तभी यह हादसा हुआ। प्रारंभिक आकलन से पता चलता है कि संभवतः थकान के कारण कार चालक को गाड़ी चलाते समय झपकी आ गई होगी।

देव दीपावली जगमगाया आसमान





प्रयागराज। मंगलवार को प्रयागराज में देव दीपावली उत्सव के दौरान लोगों ने मिट्टी के दीये जलाए और आतिशबाजी से आसमान जगमगा उठा।

कांग्रेस ऑब्जर्वर गीता भुक्कल पहुंचीं, कहा - वोट बचाना ही लोकतंत्र बचाना है

संवाददाता

उन्नाव। हरियाणा की पूर्व मंत्री और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ऑब्जर्वर गीता भुक्कल सोमवार शाम 5 बजे उन्नाव पहुंचीं। उन्होंने भाजपा सरकार और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि लोकतंत्र को बचाने की जिम्मेदारी केंद्र और प्रदेश सरकार की है। विपक्ष जनता के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहा है जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में प्रेसवार्ता के दौरान गीता भुक्कल ने कहा कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन 'वोट बचाओ, देश बचाओ' और 'संविधान बचाओ' अभियान के जरिए लोगों के बीच जा रहे हैं। प्रदर्शन, आंदोलन और चौपालों के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0

रा0प्र0क0-/अ-6/2026-27

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अश्विनी कुमार आ. स्व. डॉ. महामुनी सिंह, उम्र 55 वर्ष, निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा इस आशय का आवेदन पेश किया गया है, कि आवेदक एवं अनावेदकगण संतोष कुमार सिंह आ.स्व. डॉ. महामुनी सिंह वगैरह के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर, मोहल्ला-केदारपुर शीट नं. 02 स्थित नजूल भूमि प्लॉट नं. 203/9 रकबा 0.05 एकड़ भूमि है। सह भूधारक श्रीमती जागेश्वरी देवी पत्नी स्व. महामुनी सिंह की मृत्यु दिनांक 09.01.2012 को हो गई है। तद्उपरांत आवेदक द्वारा उक्त आवेदित भूमि से सह खातेदार श्रीमती जागेश्वरी देवी का नाम विलोपित करते हुये शेष खाताधारकों को नाम यथावत रखे जाने हेतु आवेदक खातेदार श्रीमती जागेश्वरी देवी की मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 14/12/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 25/11/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला- सरगुजा

रा0प्र0क0/अ-20(3)/2026-27

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है. कि आवेदक प्रमेन्द्र तिवारी आ. स्व. श्रवण तिवारी व अन्य 01, निवासी रिंग रोड जरहागढ़ अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा शीट नम्बर-07 मोहल्ला- रिंग रोड जरहागढ़, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल में प्लाट नम्बर 2334/3, 2335/1, 2337/3 रकबा 0.03, 0.00 1/4. 0.00 3/4 एकड़ भूमि को बैंक बंधक रखने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 09.12.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।आज दिनांक 25.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला- सरगुजा

रा0प्र0क0-/20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका मनोज कश्यप आ0/ पति बेचू साव जाति, निवासी शंकरगढ़ तहसील शंकरगढ़, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-दरीपारा, शीट नम्बर-10 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 4066/5 रकबा 0.02 1/2 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 30.10.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक:- 15.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0

रा0प्र0क0-/अ-6/2026-27

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शैलेन्द्र कुमार गर्ग आ.स्व. आनन्द प्रकाश गर्ग, निवासी एमजी रोड़, था0तह0 अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा के द्वारा इस आशय का आवेदन पेश किया गया है, कि नगर अम्बिकापुर, मोहल्ला- राम मंदिर मैदान स्थित नजूल भूमि प्लॉट नं. 3196/4813/40 रकबा 0.03 1/2 एकड़ भूमि / मकान स्थित है। आवेदक के पिता राजेन्द्र कश्यप वर्गेरह के नाम पर दर्ज है। उक्त आवेदित भूमि का रजिस्ट्री दिनांक 07.09. 1974 को भू- भाटक की राशि 1 रुपए या पन्तु कालान्तर में जूटिवश इसे बढ़ाकर 3600 रुपए प्रति वर्ष कर दिया गया है। जिसे सुधार किये जाने हेतु आवेदित भूमि के संधारण खसरा की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 114, 115 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 09/12/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 23/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार भैयाथान जिला सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क0ब/121/वर्ष ग्रामझीलमिली प0ह0न0 16

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रवि पटवा पिता त्रिभुवन पटवा जाति पटवा निवासी ग्राम झिलमिली प0ह0न0 16... रा0नि0म0 भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र कान्हा पटवा का जन्म / मृत्यु दिनांक 18/08/014 को ग्राम झीलमिली में हुई है अजानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है आवेदक अपने पुत्र कान्हा पटवा का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत झिलमिल को आदेपित करने आवेदन पेश किया है जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 22/07/26 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते है नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार किया जावेगा आज दिनांक 08/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
भैयाथान जिला सूरजपुर (छ0ग0)

शपथपत्र

मैं प्रदीप कुमार पाल (PRADEEP KUMAR PAL) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/पुत्री कमाख्या नारायण पाल (KAMAKHYA NARAYAN PAUL) निवासी-क्यू. न० 260, मझलीपारा, सरगवां, सगवांन, सकलो, थाना गांधीनगर, तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) 497001 एतद्वारा मैं पूर्णतः पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करता हूँ: मैं क्यू. न० 260, मझलीपारा, सरगवां, सगवांन, सकलो, थाना गांधीनगर, तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) का स्थायी निवासी हूँ। मेरे पुराना नाम प्रदीप कुमार पाल (PRADEEP KUMAR PAL) आ० कमाख्या नारायण पाल (KAMAKHAYA NARAYAN PAL) है और मैं अपना नाम बदलकर प्रदीप कुमार पाल (PRADEEP KUMAR PAUL) आ० कमाख्या नारायण पाल (KAMAKHYA NARAYAN PAUL) (नया नाम) करवाना चाहता हूँ। मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है। मैं नाम बदलकर, यदि कोई, गैर कानूनी काम करता हूँ, तो उसके लिए मैं पूर्णतः स्ववंय जिम्मेदार रहूंगा। मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूँ तथा समक्ष प्रौधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0

रा0प्र0क0-/अ-6/2026-27

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका राधा अग्रवाल पत्नि श्री पितांबर अग्रवाल, उम्र-63 वर्ष, जाति अग्रवाल निवासी बजारपारा, ग्राम प्रतापगढ़ था0तह0 अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदिका के द्वारा अनावेदक अशोक कुमार अग्रवाल आ. गनपत राम अग्रवाल निवासी अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर जिला- सरगुजा (छ0ग0) के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ0पुर, मोहल्ला शीतला वार्ड, बाबूपारा मौलवी बांध स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 3467/4866/327 रकबा 1750 वर्गफीट खुली भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 29.10.2026 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदिका द्वारा उक्त क्रयशुदा भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-07/12/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 23/11/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0

रा0प्र0क0-/अ-6/2026-27

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री सौरभ कुमार अग्रवाल आ. पितांम्बर अग्रवाल, उम्र 38 वर्ष, निवासी बजारपारा, ग्राम प्रतापगढ़ था0तह0 अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक के द्वारा अनावेदक श्री सुदीप सिन्हा आ. अखिलेश सिन्हा, उम्र 38 वर्ष निवासी हनुमान मंदिर स्कूल रोड़ अम्बिकापुर जिला- सरगुजा (छ0ग0) के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ0पुर, मोहल्ला शीतला वार्ड, बाबूपारा मौलवी बांध स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 3467/4866/336 रकबा 1021 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 29.10.2026 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदक द्वारा उक्त क्रयशुदा भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-07/12/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 23/11/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

नगर निगम की सुस्ती से विकास कार्यों पर संकट, आचार संहिता में फंस सकता है बजट

- 110 वार्डों में पार्षद कोटे के 170 करोड़ रुपये खर्च होने का इंतजार
- तीन महीने से 30 करोड़ के विकास बजट पर भी नहीं हो पाया फैसला

संवाददाता

लखनऊ। विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच नगर निगम की धीमी कार्यप्रणाली शहर के विकास कार्यों पर भारी पड़ सकती है। करीब 200 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का बजट अब तक खर्च नहीं हो सका है। जनवरी में विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने की संभावना के चलते इन कार्यों पर संकट मंडराने लगा है। यदि अगले एक महीने में टेंडर प्रक्रिया पूरी कराकर काम शुरू नहीं कराया गया तो बड़ी धनराशि अटक सकती है।

वित्तीय वर्ष समाप्त होने में अभी करीब चार महीने का समय है, लेकिन फरवरी में विधानसभा चुनाव होने की संभावनाओं को देखते हुए जनवरी में आचार संहिता लग सकती है। ऐसे में विकास कार्यों को शुरू कराने के लिए नगर निगम के पास सीमित समय बचा है। हैरानी की बात यह है कि कई कार्यों के लिए अब तक टेंडर तक जारी नहीं किए गए हैं। नगर निगम में 110 वार्ड हैं।

प्रत्येक वार्ड में विकास कार्य कराने के लिए अप्रैल में पार्षदों को 2.10 करोड़ रुपये का कोटा स्वीकृत किया गया था। इस हिसाब से करीब 230 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित हुआ। इसमें से पार्षद अब तक लगभग 60 करोड़ रुपये ही खर्च कर पाए हैं, जबकि करीब 170 करोड़ रुपये की धनराशि अभी शेष है। समय रहते इन कार्यों की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई तो चुनाव आचार संहिता के कारण बजट का इस्तेमाल प्रभावित हो सकता है। नगर निगम के खाते में विकास कार्यों के लिए करीब 30 करोड़ रुपये पिछले तीन महीने से पड़े हैं। यह धनराशि अवस्थापना निधि, वायु गुणवत्ता सुधार और 15वें वित्त आयोग के मद से मिली है। इसके बावजूद नगर निगम अब तक यह तय नहीं कर पाया है कि इस बजट से किन सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। शहर में 200 से अधिक छोटी-बड़ी सड़कें खराब हैं और उन्हें मरम्मत व निर्माण की जरूरत है।

सूत्रों के मुताबिक, बजट के उपयोग को लेकर दो बार बैठक हो चुकी है, लेकिन अब तक काम शुरू नहीं हो पाए हैं। कार्यों के चयन के लिए अधिकारियों की समिति गठित की गई है, हालांकि अंतिम निर्णय महापौर को लेना है। नगर निगम के जानकारों के मुताबिक, पार्षदों की कोशिश रहती है कि उनके वार्ड में होने वाले विकास कार्य अवस्थापना निधि, 15वें वित्त आयोग, विधायक या सांसद निधि, महापौर कोटे अथवा नगर निगम की सामान्य निधि से कराए जाएं।

अवनीश अवस्थी बने गोमती नगर जनकल्याण महासमिति के संरक्षक

लखनऊ। गोमती नगर जनकल्याण महासमिति की प्रबंध एवं कोर समिति की बैठक मंगलवार को विवेक खंड स्थित महासमिति कार्यालय में हुई। बैठक में महासमिति के विकास कार्यों, आगामी चुनाव और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सेवानिवृत्त वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अवनीश अवस्थी को महासमिति का संरक्षक नियुक्त करने का निर्णय लिया गया।

महासचिव डॉ. राघवेंद्र शुक्ला ने महासमिति की ओर से अब तक किए गए कार्यों और आगामी योजनाओं की जानकारी दी। बैठक में गोमती नदी की स्वच्छता और पवित्रता बनाए रखने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इसके तहत संबंधित विभागों से समन्वय कर कार्ययोजना तैयार की जाएगी और महासमिति स्वच्छता अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएगी। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों को विस्तार देने के लिए विभिन्न पदाधिकारियों को अलग-अलग क्षेत्रों का दायित्व सौंपा गया।

अजय वर्मा को विपुल खंड, राजेश कुमार तिवारी को विश्वास खंड, डॉ. अमित टंडन को खगपारु, आलोक मिश्रा को विभव खंड, रामनाथ शुक्ला को विराज खंड और विवेक शुक्ला को वास्तु खंड की जिम्मेदारी दी गई। इन पदाधिकारियों को मूर्ति विसर्जन, कपड़ा बैंक, बर्तन बैंक और महासमिति के अन्य अभियानों को 30 नवंबर 2026 तक संपन्न कराने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई। बैठक में महासमिति का नाम बदलकर 'गोमती जनकल्याण महासमिति' करने पर सहमति बनी। कवियों और साहित्यकारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से साहित्य भवन के निर्माण का प्रस्ताव भी रखा गया। बैठक में महासचिव डॉ. राघवेंद्र शुक्ला, कार्यकारी महासचिव कर्नल एएन पांडेय, सचिव संजय निगम, सचिव सीजी नायर, संगठन मंत्री एके गुप्ता, अभिनव शुक्ला, कोषाध्यक्ष पीआर पांडेय और सांस्कृतिक सचिव राकेश मौर्य सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अभेद्य साइबर कवच से सुरक्षित होगा यूपी

- आज बनेगा मास्टर प्लान
- जुटेंगे शासन, पुलिस, तकनीक और उद्योग जगत के दिग्गज, साइबर सुरक्षा मजबूत करने पर होगा मंथन

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की साइबर सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए बुधवार को लखनऊ में शासन, पुलिस, तकनीक और उद्योग जगत के दिग्गज एक मंच पर जुटेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप आयोजित विशेष कार्यशाला में प्रदेश के सरकारी डेटा, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और महत्वपूर्ण सूचना प्रणालियों को साइबर हमलों से सुरक्षित रखने की रणनीति पर मंथन होगा। विशेषज्ञ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्वांटम तकनीक और बदलते डिजिटल परिदृश्य से उत्पन्न खतरों से निपटने के उपायों के साथ विभागों के बीच समन्वय और तकनीकी क्षमता बढ़ाने पर चर्चा करेंगे।

उप्र स्टेट इंडस्ट्रीज़ एंड कॉर्पोरेट अफेयर्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीएसआईडीसी) के सीएमडी और

पुल के नीचे गांजा बेचते युवक गिरफ्तार

कबीरधाम, (एजेंसी)। जिले में अवैध मादक पदार्थों की बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुंडा पुलिस ने हाफ नदी पुल के नीचे गांजा बेच रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 196 ग्राम गांजा, इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन और बिक्री की रकम 350 रुपये जब्त की है। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत 2 हजार रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार, 25 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि हाफ नदी पुल के नीचे एक व्यक्ति गांजा रखकर बिक्री कर रहा है। सूचना पर कुंडा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गवाहों की मौजूदगी में घेराबंदी कर रेड कार्रवाई की। इस दौरान एक युवक सफेद रंग के थैले में संदिग्ध मादक पदार्थ और इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन के साथ मिला। पूछताछ में युवक ने अपनी पहचान करन मानिकपुरी (19 वर्ष), निवासी धापपारा कुंडा के रूप में बताई। तलाशी के दौरान उसके पास रखे थैले से झिल्ली के सात छोटे पैकेट और कागज की पांच पुड़िया में गांजा बरामद हुआ।

भाजपा नेता का वायरल वीडियो मामला.....

महिला के पति ने भाजपा नेता पर लगाया धमकाने और बसा बसाया घर उजाड़ने का आरोप

कलेक्टर व एसपी से शिकायत, जांच व कार्रवाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भाजपा नेता के वायरल वीडियो का मामला शिकायत दर्ज शिकायत तक जा पहुँचा है। मंगलवार को इस मामले में जहाँ महिला सामने आ कर भाजपा नेता का बचाव करते हुए अपने पति पर गम्भीर आरोप लगाए है तो बुधवार को महिला के पति ने फिर एक बार नए सिरे से भाजपा नेता पर दबाव बनाने व गाली गलौज का आरोप लगाते हुए आला अफसरों से शिकायत की है।राजेश सोनी ने कलेक्टर एसपी को दिए एक शिकायत में आरोप लगाया है कि भाजपा नेता मुकेश गर्ग उनका बसा बसाया घर बर्बाद कर दिया और पति पत्नी के बीच फुट डाल कर उसका लाभ उठा रहे है। पत्र में कहा गया है कि विगत 21 नवंबर घर मे घुसने की घटना के बाद से मुझे बार-बार फोन करते है नहीं उठाने पर वे अपने गुर्गे सहित अपने भाई पूनम को मेरे घर भेजते है। उसके बहुत बुलाने धमकाने पर मै मेरा भाई और मां उसके घर



जाते है तो वे अपने भाजपा पार्टी का पद पावर सत्ता का धौंस दिखाते हुए अश्लील गाली गलौज कर जान से मारकर फेंकवाने की धमकी देकर शिकायत वापस लेने व उसके पक्ष में वीडियो बनवाने का दबाव दे रहे है। साथ ही मेरे भूमि पर पुराना विवाद का हवाला देकर अनाप शनाप गाली गलौज कर ब्लैकमेलिंग करने का प्रयास किया जा रहा है। इस दौरान मुझे अपने घर में 1 घंटे तक जाने नहीं दिया बंधक बनाए रखा। मेरे शोर मचाने पर ही जाने दिया। इस पूरी घटना के बाद भी मुकेश गर्ग बार बार फोन करके तो कभी अपने भाई पूनम,तो कभी अपने गुर्गे को मेरे पास भेजकर धमका चमका रहे है और शिकायत वापस लेने का दबाव बना रहे है।

आरोप है कि इस पूरे घटना के बाद अपनी छवि बचाने बचाने के लिए मेरी पत्नी का सहारा लेते हुए पुलिस अधीक्षक से मेरे सहित मां, भाई के खिलाफ शिकायत कराया है। जिससे मैं और मेरा परिवार भयभीत है। मेरे व मेरे परिवार को मुकेश गर्ग से खतरा है वह मेरे व मेरे परिवार को मरवा कर फेंकवा देगा या कुछ षड्यंत्र साजिश कर झूठे केस में फंसा सकता है उससे मेरे व मेरे परिवार को जान का खतरा है।पत्र में आरोप है कि भाजपा नेता ने मेरी पत्नी को बहला फुसला कर छीन लिया, उसका भरपूर सहयोग करते हुए ब्यूटी पार्लर खुलवा दिया है। इस पूरे मामले में उचित निष्पक्ष जांच करते हुए मेरा व मेरी पत्नी के साथ मुकेश गर्ग के फोन डिटेल निकाला जाए और साथ ही नार्को टेस्ट कराया जाए जिससे सच सामने आ जाएगा।इधर इस नए आरोप पर भाजपा नेता मुकेश गर्ग ने कहा है कि न मैने राजेश सोनी को अपने घर पर बुलाया है और न ही उसके घर गया हूँ जो भी आरोप लगा रहा है वे सब बेबुनियाद है।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस हेतु चयनित छात्रा अनुराधा को कलेक्टर ने किया सम्मानित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। 32वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस-2026 के राज्य स्तरीय आयोजन में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होने वाली छात्रा अनुराधा को कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने सम्मानित किया है। बुधवार को छात्रा यहां कलेक्टर श्रीमती जमील से मिलने पहुंची थी। इस दौरान कलेक्टर ने छात्रा को सील्ड व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। ज्ञात हो कि पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में संपन्न हुआ। इस आयोजन में जिले के रामानुजनगर विकासखंड अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कृष्णपुर की छात्रा अनुराधा ने अपनी उत्कृष्ट वैज्ञानिक परियोजना एवं



प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण से राज्य स्तर पर सफलता हासिल करते हुए राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित होकर जिले को गौरवान्वित किया है।छात्रा अनुराधा और उसके सहयोगी छात्र तुलेश्वर एवं उनकी मार्गदर्शक शिक्षिका शोभा सोनी को बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। जिले की इस उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार सिन्हा, जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू एवं सहायक संचालक अजय सिंह ने भी राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छात्रा अनुराधा को शुभकामनाएँ दिए हैं।

एसडीएम के निरीक्षण में बकिरमा केंद्र से सौ क्विंटल अमानक धान किया गया जप्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशन में धान खरीदी से संबंधित अधिकारियों द्वारा जिले के धान खरीदी केंद्रों का सतत निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुनील अग्रवाल द्वारा धान खरीदी केंद्र बकिरमा का औचक निरीक्षण किया गया।



निरीक्षण के दौरान कृषक गोविंद बरगाह, नवापारा द्वारा लाया गया लगभग 100 क्विंटल धान अमानक एवं पुराना पाया गया। अधिकारियों द्वारा मौके पर ही उक्त धान की जब्ती की कार्यवाही की गई। जांच में पाया गया कि उक्त धान शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप नहीं था। पुराने एवं अमानक धान को नवीन धान के रूप में खपाने का प्रयास किया जा रहा था।

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने निर्देशित किया है कि धान खरीदी में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए। किसानों के धान की गुणवत्ता की समुचित जांच के उपरांत ही खरीदी की जाए। अमानक धान की खरीदी किसी भी स्थिति में न की जाए। उन्होंने कहा है कि खरीदी केंद्रों में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिले के सभी धान खरीदी केंद्रों का इसी प्रकार औचक निरीक्षण जारी रखा जाए, ताकि वास्तविक किसानों को शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके।

भैंस को बचाने नदी में उतरे चरवाहे की गहरे पानी में डूबने से मौत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम पंचायत पीढ़ा में भैंस चराने के दौरान एक हादसे में 58 वर्षीय ग्रामीण की नदी में डूबने से मौत हो गई। बताया गया है कि भैंस के नदी के गहरे पानी में चले जाने पर उसे बाहर निकालने की कोशिश कर रहे चरवाहे को पानी की गहराई का अंदाजा नहीं रहा और वह खुद गहरे पानी में समा गया। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल व्याप्त है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत पीढ़ा निवासी 58 वर्षीय चमरू राम राजवाड़े पिता लक्ष्मण राजवाड़े रोजाना की तरह भैंस चराने निकला था। इसी दौरान उसकी एक भैंस नदी के बीच गहरे पानी की ओर चली गई। भैंस को बाहर निकालने के उद्देश्य से चमरू राम भी नदी में उतर गया, लेकिन गहरे पानी में पहुंचते ही वह अपना संतुलन खो बैठे और डूबने लगे। देखते ही देखते वह पानी में लापता हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास मौजूद ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने अपने स्तर पर तलाश की, लेकिन सफलता



नहीं मिलने पर इसकी सूचना डीडीआरएफ टीम को दी। सूचना मिलते ही डीडीआरएफ की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और नदी में तलाशी अभियान चलाकर चमरू राम का शव बाहर निकाला। इसके बाद शव ग्रामीणों के सुपुर्द कर दिया गया। घटना के बाद ग्रामीणों ने पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी जाहिर की है। ग्रामीणों का आरोप है कि हादसे की सूचना देने के बावजूद कोतवाली पुलिस काफी विलंब से घटनास्थल पर पहुंची। उनका कहना है कि ऐसी संवेदनशील परिस्थितियों में पुलिस की त्वरित मौजूदगी और सहयोग बेहद जरूरी होता है, लेकिन मौके पर समय से पुलिस के नहीं पहुंचने से ग्रामीणों में असंतोष है। बहरहाल नदी में डूबने से हुई इस मौत के बाद पीड़ित परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

बेख़ौफ़ चल रहे रेत के अवैध उत्खनन व परिवहन से बंशीपुर की सड़कों पर उड़ रहा धूल का गुब्बार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के प्रतापपुर क्षेत्र के बांकी, पतरंगी व बंशीपुर में महान नदी भैंसमुंडा से व्यापक पैमाने पर रेत का उत्खनन और परिवहन बेख़ौफ़ होकर किया जा रहा है। धड़ल्ले से हो रहे रेत के अवैध उत्खनन व परिवहन

जिम्मेदार मौन, कार्रवाई करेगा कौन

पर जिम्मेदारों की चुप्पी से सवाल खड़े हो रहे है। ग्रामीणों के मुताबिक महान नदी से प्रतिदिन 40 से 50 ट्रिप रेत निकाली जा रही है। इतनी बड़ी संख्या में वाहनों की लगातार आवाजाही के बावजूद संबंधित विभाग की निगरानी और कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं। रेत का खेप निरंतर टीपर एवं हाईवा वाहन के माध्यम से सीमावर्ती राज्यों में भेजा जा रहा है। जिसकी जानकारी जिम्मेदारों को होने के बावजूद भी किसी प्रकार की कार्रवाई ना होना कहीं और इशारा कर रहा है। रेत परिवहन में लगे भारी वाहनों ने ग्रामीणों की रोजमर्रा की जिंदगी मुश्किल कर दी है। रेत से भरी वाहनों के आवागमन से गांव की सड़कों पर दिनभर धूल के गुबार



उड़ते रहते हैं। राहगीरों को धूल के बीच रास्ता तय करना पड़ रहा है, वहीं दोपहिया वाहन चालकों के लिए भी दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। सबसे चिंताजनक स्थिति स्कूली बच्चों की है। इसी सड़क से रोजाना छोटे-छोटे मासूम बच्चे स्कूल आते-जाते हैं। एक ओर भारी वाहनों की लगातार आवाजाही और दूसरी ओर धूल के घने गुबार, ऐसे हालात में बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। ग्रामीणों की मांग है कि खनिज विभाग तत्काल मौके पर पहुंचकर उत्खनन की जांच करे, रेत परिवहन में लगे वाहनों के दस्तावेजों की पड़ताल और अवैध उत्खनन पाए जाने पर जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील को जानकारी देने पर उन्होंने संबंधित विभाग एवं राजस्व विभाग को कार्यवाही हेतु निर्देशित करने की बात कही है।

शादी समारोह में आवारा पशु का आतंक, महिला के कूल्हे में हेयरलाइन फ्रैक्चर

★ कलेक्टर के सख्त निर्देशों के बावजूद नगर की सड़कों पर घूम रहे निराश्रित पशु ★ नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

रामानुजगंज। नगर में आवारा पशुओं का आतंक अब लोगों के लिए गंभीर परेशानी बनता जा रहा है। ताजा मामला एक शादी समारोह का है,जहां भोजन करने पहुंची एक महिला आवारा पशु की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गई। पशु के अचानक तेज रफ्तार से बगल से दौड़ने के कारण महिला अपना संतुलन खो बैठी और कुछ दूर जाकर गिर पड़ी। घटना के बाद महिला ने कई बार उठने का प्रयास किया,लेकिन दर्द के कारण वह खड़ी नहीं हो सकी। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह उसे सहारा देकर उठाया और तत्काल संजीवनी हॉस्पिटल पहुंचाया। जांच में महिला के कूल्हे की हड्डी में हेयरलाइन फ्रैक्चर होने की पुष्टि हुई। इसके बाद परिजन उसे बेहतर उपचार के लिए तत्काल अंबिकापुर लेकर रवाना हुए, जहां उसका इलाज मिशन हॉस्पिटल में जारी है।

बताया गया कि नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी अजय कुमार केशरी,पिता स्वर्गीय रामलाल केशरी के पुत्र के विवाह समारोह का आयोजन आमंत्रण धर्मशाला में किया गया था। इसी समारोह में परिवार की महिला सदस्य भोजन करने पहुंची थीं। इसी दौरान यह हादसा हो गया।



कलेक्टर के निर्देशों की हो रही अनदेखी

गौरतलब है कि बलरामपुर रामानुजगंज जिले के कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने समय-सीमा की बैठक में नगर पालिका परिषद रामानुजगंज को आवारा एवं निराश्रित पशुओं की समस्या को लेकर कड़े निर्देश दिए थे। उन्होंने 22 अक्टूबर 2026 से विभागों की संयुक्त टीम गठित कर नगर क्षेत्र में घूम रहे घुमंतू एवं निराश्रित पशुओं को पकड़ने और उनके समुचित व्यवस्थापन की कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए थे।

इसके साथ ही आम नागरिकों में जागरूकता लाने के लिए पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के प्रावधानों एवं दंडात्मक कार्रवाई की जानकारी प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए गए थे।

हादसों के बाद भी नहीं जाग रहा नगर पालिका प्रशासन

कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देश जारी हुए लगभग एक माह बीत चुका है, लेकिन नगर की सड़कों पर आज भी आवारा पशु खुलेआम घूमते नजर आ रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर संयुक्त टीम गठित कर कार्रवाई करने के निर्देशों का पालन अब तक क्यों नहीं हुआ? क्या नगर पालिका प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है?

शादी समारोह में महिला के साथ हुई यह घटना नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती है। शहरवासियों का कहना है कि आवारा पशुओं के कारण आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। यदि समय रहते इन पशुओं के पकड़ने और उचित व्यवस्थापन की कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है। अब देखना होगा कि इस घटना के बाद नगर पालिका प्रशासन अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए ठोस कार्रवाई करता है या कलेक्टर के निर्देश केवल कागजों तक ही सीमित रहेंगे।

गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल की बड़ी कार्रवाई, निर्माण कार्यों में लापरवाही पर दो ठेकेदार एजेंसियां ब्लैकलिस्ट

रायपुर, (एजेंसी)। शासकीय निर्माण कार्यों में लापरवाही और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा नहीं करने वाले ठेकेदारों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल ने कड़ी कार्रवाई की है। मंडल ने दो निर्माण एजेंसियों—मेसर्स विनायक इंफ्रास्ट्रक्चर और मेसर्स सार्थक ट्रेडर्स—को काली सूची (ब्लैकलिस्ट) में दर्ज करने का आदेश जारी किया है।

कोरबा जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रंजना (विकासखंड कटघोरा), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उतरदा (विकासखंड पाली) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पसान (विकासखंड पोड़ी उपरोड़ा) में आवासीय भवनों का निर्माण निर्धारित समयावधि में पूरा किया जाना था। अनुबंध के अनुसार इन कार्यों को नौ माह में पूर्ण करने की जिम्मेदारी संबंधित ठेकेदार एजेंसियों को सौंपी गई थी।

निर्माण कार्यों की प्रगति अत्यंत धीमी रहने और ठेकेदारों की लापरवाही से कार्य प्रभावित होने पर मंडल ने संबंधित एजेंसियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर स्पष्टीकरण मांगा था। निर्धारित समय में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किए जाने और कार्यों के प्रति उदासीनता को गंभीरता से लेते हुए मंडल ने नियमानुसार कार्रवाई की।

मेसर्स विनायक इंफ्रास्ट्रक्चर, ब-वर्ग ठेकेदार (सीजीईआर 2820) और मेसर्स सार्थक ट्रेडर्स, द-वर्ग ठेकेदार (सीजीईआर20160) को काली सूची में दर्ज करने का आदेश जारी किया गया है।

मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने कहा कि शासकीय निर्माण कार्य आम नागरिकों की सुविधाओं और जनहित से सीधे जुड़े होते हैं। इनमें लापरवाही, अनावश्यक विलंब या गुणवत्ता से समझौता स्वीकार्य नहीं है। प्रत्येक निर्माण एजेंसी की जिम्मेदारी है कि वह अनुबंध की शर्तों का पालन करते हुए निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करे। जनहित के कार्यों में लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मंडल आयुक्त अवनीश कुमार शरण ने कहा कि निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करना मंडल की प्राथमिकता है। ठेकेदारों को समय-सीमा, निर्माण गुणवत्ता और अनुबंध की शर्तों का अनिवार्य रूप से पालन करना होगा। लापरवाही या उदासीनता बरतने वाली एजेंसियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी। संबंधित अधिकारियों को भी निर्माण कार्यों की सतत निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

मंडल ने स्पष्ट किया है कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता है। अनावश्यक विलंब, लापरवाही या अनुबंध की शर्तों के उल्लंघन पर ठेकेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

अवैध शराब बेचते महिला गिरफ्तार

दुर्ग, (एजेंसी)। जिले में अवैध शराब बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुम्हारी पुलिस ने ग्राम रूपनगर में एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने महिला के कब्जे से 37 पौवा देशी शराब और बिक्री की नगद रकम सहित कुल 5,250 रुपये की सामग्री जब्त की है। आरोपी महिला के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, 25 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम रूपनगर में कुम्हारी सुलभ के पास एक महिला अवैध रूप से शराब बेच रही है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर कार्रवाई की और महिला को पकड़ लिया।

तलाशी के दौरान महिला के कब्जे से शोले देशी मसाला मदिरा के 27 पौवा और सुपर प्लेन मदिरा के 10 पौवा बरामद हुए। प्रत्येक पौवा 180 एमएल का था। इस तरह कुल 6.660 बल्क लीटर शराब जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 3,500 रुपये बताई गई है। इसके अलावा शराब बिक्री की 1,750 रुपये नगद रकम भी बरामद की गई।

गिरफ्तार महिला की पहचान सीता जगत (55 वर्ष), पति इंद्र जगत, निवासी रूपनगर वार्ड क्रमांक 15, थाना कुम्हारी के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके विरुद्ध थाना कुम्हारी में अपराध क्रमांक 386/26 के तहत छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) में अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की है।

इस कार्रवाई में थाना कुम्हारी की महिला पुलिस अधिकारी और पुलिस स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और बिक्री की सूचना नजदीकी थाने या पुलिस कंट्रोल रूम को देने की अपील की है।

कार्तिक पूर्णिमा पर महादेवडांड शिव मंदिर में दीपयज्ञ, 5 से 8 दिसंबर तक होगा पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

महादेवडांड। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर महादेवडांड स्थित शिव मंदिर में गायत्री परिवार एवं ग्रामवासियों के संयुक्त तत्वावधान में दीपयज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु एवं गायत्री परिजन उपस्थित रहे। महिलाओं ने दीप प्रज्वलित कर भगवान महाकाल की भव्य आरती की तथा गायत्री महामंत्र के साथ यज्ञ भगवान को आहुतियां समर्पित कीं। दीपों की रोशनी और वैदिक मंत्रोच्चार से मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो उठा।



इस अवसर पर ग्रामवासियों ने आगामी 5 से 8 दिसंबर तक शिव मंदिर प्रांगण, महादेवडांड में पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ आयोजित करने का सामूहिक संकल्प लिया। उल्लेखनीय है कि अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा अखंड दीप एवं परम वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा जी के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में इस महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है।

चार दिवसीय आयोजन का शुभारंभ 5 दिसंबर को भव्य कलश शोभायात्रा के साथ होगा। वहीं 6 से 8 दिसंबर तक देवस्थापना, देव आवाहन, यज्ञ-हवन एवं विभिन्न संस्कारों का आयोजन किया जाएगा। इसमें समस्त ग्रामवासी सहभागिता कर सकेंगे।विशेष बात यह रही कि महादेवडांड में महिलाओं ने नारी शक्ति के नेतृत्व में इस धार्मिक आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी हैं। कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित दीपयज्ञ को आगामी पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ की तैयारियों के शुभारंभ के रूप में भी देखा जा रहा है।



किसानों के सम्मान के साथ धान खरीदी का हुआ शुभारंभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पत्थलगांव। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत धान खरीदी के शुभारंभ अवसर पर धान खरीदी उद्घाटन समारोह एवं किसान सम्मान उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के किसानों और जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर किसानों का सम्मान किया गया तथा छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों के हित में संचालित योजनाओं को लेकर चर्चा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समिति अध्यक्ष रूप सिंह राठिया उपस्थित रहे। उनके साथ क्षेत्र के बीडीसी बाल श्याम चौहान, नोडल अधिकारी एमआर राठिया, फड़ प्रभारी महेंद्र सिदार एवं प्रबंधक विमलेश अम्बस्त विशेष रूप से मौजूद रहे। समारोह में उपस्थित किसानों ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा किसानों के हित में लागू की गई कृषि उन्नति योजना की सराहना करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। किसानों ने कहा कि कृषि उन्नति योजना के माध्यम से किसानों को आर्थिक सहायता मिलने से खेती-किसानी को मजबूती मिल रही है। किसानों ने योजना को लेकर खुशी जाहिर करते हुए सरकार के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया।इस अवसर पर क्षेत्र के किसान हेमंत कुमार पटेल, रामचन्द्र गुप्ता, ओंकार बेहरा, वृन्दावन देहरी, नरेश खुंटिया, भागीरथ सिंह राठिया, भिखारी गुप्ता, विक्रेता किसान श्रीराम राठिया, बलराम राठिया सहित डुडुंगजोर के सरपंच शिवकुमार राठिया एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान धान खरीदी के नए सत्र को लेकर किसानों में उत्साह देखने को मिला। किसान सम्मान उत्सव के माध्यम से किसानों के योगदान को सम्मानित किया गया और नए खरीफ विपणन वर्ष में बेहतर धान खरीदी की उम्मीद जताई गई।

डोंगादरह के पास दर्दनाक हादसा, पिकअप ने छह वर्षीय बच्ची को कुचला

जशपुर। कोतबा-लावाकेरा स्टेट हाईवे मार्ग पर डोंगादरह के पास बुधवार दोपहर करीब 3 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में छह वर्षीय मासूम बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार गझियाडीह की ओर से कोतबा की तरफ जा रही एक पिकअप वाहन की चपेट में छह वर्षीय बच्ची आ गई। हादसा इतना गंभीर था कि बच्ची ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। मृत बच्ची की पहचान सुक्रिता पिता मुक्तेश्वर, उम्र छह वर्ष के रूप में हुई है।घटना की जानकारी मिलते ही 112 आपातकालीन सेवा की टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद मृत बच्ची को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया। घटना कोल्हेनझरिया चौकी क्षेत्र की बताई जा रही है। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मासूम बच्ची की असमय मौत से गांव में मातम पसर गया है। पुलिस द्वारा हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।



जशपुर को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में 5 पुलों की सौगात, 15.61 करोड़ से होगा निर्माण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर में आवागमन को सुविधाजनक बनाने के लिए सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-IV के अंतर्गत वर्ष 2026-27 बैच-I में छत्तीसगढ़ शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने जशपुर जिले के लिए 5 वृहद पुलों के निर्माण की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। इन पुलों के निर्माण पर कुल 15.61 करोड़ रुपये की राशि व्यय की जाएगी। भारत सरकार, ग्रामीण विकास मंत्रालय के पत्र दिनांक 06.11.2026 द्वारा प्रदेश में स्वीकृत 208 पुलों में जशपुर जिले के ये 5 पुल शामिल हैं।

जिले में स्वीकृत कार्यों में विकासखंड फरसाबहार में तेलाईन से मोहनटोली मार्ग पर नाला पर 40 मीटर लंबा पुल 304.28 लाख रुपये की लागत से बनेगा। विकासखंड कुनकुरी में रानीकोम्बो से चाहतपारा मार्ग पर कपारी नाला पर 60 मीटर लंबा पुल 416.22 लाख रुपये की लागत से बनेगा, जो जिले का सबसे बड़ा पुल होगा।

विकासखंड पत्थलगांव में तीन पुल स्वीकृत हुए हैं, जिनमें पतराटोली-पकरीपारा मार्ग पर भरारी नाला पर 60 मीटर लंबा पुल 349.34 लाख रुपये, लुडेग सुरंगपानी-बरपानी मार्ग पर नाला पर 40 मीटर लंबा पुल 272.13 लाख रुपये तथा खरकटा-पंडरीपारा मार्ग पर नाला पर 32.40 मीटर लंबा पुल 219.73 लाख रुपये की लागत से बनेगा।



इन पुलों के निर्माण से बरसात के दिनों में नालों के कारण आवागमन में होने वाली परेशानी समाप्त होगी और ग्रामीणों को साल भर सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। इससे कृषि उपज को बाजार तक पहुंचाने, बच्चों को स्कूल जाने तथा मरीजों को अस्पताल पहुंचने में बड़ी राहत मिलेगी। उक्त कार्यों को स्वीकृत राशि में ही पूर्ण किया जाएगा तथा तकनीकी स्वीकृति के पश्चात नियमानुसार कार्य प्रारंभ होगा।

घने कोहरे में निर्माणाधीन पुलिया में जा घुसा ट्रेलर, निर्माण स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। लैलूंगा-लावाकेरा स्टेट हाईवे मार्ग पर सरइटोली के पास निर्माणाधीन उच्च स्तरीय पुलिया में मंगलवार रात करीब 10 बजे एक तेज रफ्तार ट्रेलर अनियंत्रित होकर जा घुसा। गनीमत रही कि पुलिया निर्माण के दौरान लगाए गए लोहे के सरियों में ट्रेलर फंस गया, जिससे वाहन पुलिया के नीचे गिरने से बच गया। यदि ट्रेलर सीधे पुलिया के नीचे गिर जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

मिली जानकारी के अनुसार ट्रेलर कोतबा की ओर से लावाकेरा की तरफ जा रहा था। इसी दौरान सरइटोली के पास स्टेट हाईवे पर उच्च स्तरीय पुलिया का निर्माण कार्य चल रहा है। बताया जा रहा है कि रात के समय घना कोहरा छाया हुआ था, जिसके कारण सड़क और निर्माणाधीन पुलिया स्पष्ट दिखाई नहीं दे रही थी। वहीं ट्रेलर की रफ्तार भी तेज बताई जा रही है। ऐसे में चालक को निर्माणाधीन पुलिया का अंदाजा नहीं लग पाया और वाहन सीधे निर्माण स्थल में जा घुसा।

ट्रेलर के पुलिया में घुसते ही मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। हालांकि निर्माणाधीन पुलिया में निकले लोहे के सरियों के कारण वाहन वहीं अटक गया और नीचे गिरने से बच गया। इस घटना के बाद मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों के लिए निर्माण स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

निर्माण स्थल पर सुरक्षा संकेतक जरूरी

लैलूंगा-लावाकेरा स्टेट हाईवे पर लगातार आवागमन होता है। ऐसे में सड़क पर पुलिया निर्माण के दौरान रात के समय पर्याप्त रोशनी, रेडियम संकेतक, बैरिकेडिंग और दूर से दिखाई देने वाले चेतावनी बोर्ड लगाना जरूरी है। विशेषकर कोहरे के मौसम में वाहन चालकों को निर्माण स्थल की जानकारी पहले से मिल सके, इसके लिए सुरक्षा इंतजाम किए जाने की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

बहोरा में हुआ मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण, 11 हितग्राही हुए लाभान्वित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। उद्यानिकी विभाग द्वारा राज्य पोषित योजना के तहत जिले में मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विकासखंड बगीचा के ग्राम बहोरा में 23 नवंबर को मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में 8 स्व सहायता समूहों के सदस्य एवं 3 कृषक सहित कुल 11 हितग्राही लाभान्वित हुए। प्रशिक्षण में उद्यानिकी विभाग के कर्मचारियों द्वारा हितग्राहियों को मधुमक्खी पालन की वैज्ञानिक एवं आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी गई। इस दौरान मधुमक्खी पालन का महत्व, मधुमक्खी बॉक्स की स्थापना, कॉलोनी का रखरखाव, शहद उत्पादन एवं शहद निकालने की वैज्ञानिक विधि के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही मधुमक्खियों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने, मौसम के अनुसार देखभाल तथा रोग एवं कीट प्रबंधन संबंधी जानकारी भी दी गई।



प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य स्व सहायता समूहों एवं कृषकों को मधुमक्खी पालन के माध्यम से स्वरोजगार से जोड़ना तथा उनकी आय में वृद्धि करना है। अधिकारियों ने बताया कि मधुमक्खी पालन कम भूमि में शुरू किया जा सकने वाला लाभकारी व्यवसाय है। इससे शहद एवं अन्य मधुमक्खी उत्पादों के जरिए अतिरिक्त आय प्राप्त की जा सकती है। मधुमक्खियों के परागण से फल, सब्जी एवं अन्य फसलों के उत्पादन और गुणवत्ता में भी वृद्धि होती है।

उद्यानिकी विभाग के कर्मचारियों ने समूहों एवं कृषकों को मधुमक्खी पालन को आजीविका के अतिरिक्त साधन के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे तथा स्व सहायता समूहों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। मधुमक्खी कॉलोनी एवं छत्ते पर मिलेगा 2 हजार रुपये अनुदानराज्य पोषित योजना के अंतर्गत मधुमक्खी कॉलोनी एवं मधुमक्खी छत्ते की कुल इकाई लागत 4,000 रुपये निर्धारित की गई है, जिस पर हितग्राही को 2,000 रुपये का अनुदान देने का प्रावधान है। योजना के माध्यम से कृषकों एवं स्व सहायता समूहों को मधुमक्खी पालन अपनाने के लिए आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है।



मयाली नेचर कैंप एवं देशदेखा का जिला पंचायत सीईओ ने किया निरीक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जिले में 26 से 29 नवंबर तक "जशपुर जंबूरी 2026" आयोजित की जाएगी। इसकी तैयारियों के लिए मंगलवार को जिला पंचायत जशपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक कुमार ने समीक्षा की।इस दौरान उन्होंने मयाली नेचर कैंप, देशदेखा एवं अन्य आयोजन स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार पाटनवार, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के जिला एवं जनपद स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।सीईओ ने देशदेखा में प्रतिभागियों के आवास, भोजन, पेयजल, स्वच्छता, साहसिक गतिविधियों एवं कार्यक्रम स्थलों की तैयारियों का अवलोकन किया। मयाली नेचर कैंप में उन्होंने भोजन, पेयजल, साफ-सफाई एवं गतिविधि स्थलों की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

देशदेखा एवं मयाली में प्रतिभागियों के लिए भोजन एवं नाश्ते की व्यवस्था की जा रही है, जबकि देशदेखा में प्रतिभागियों के ठहरने की व्यवस्था की गई है। सभी आयोजन स्थलों पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध रहेगी। सीईओ अभिषेक कुमार ने निर्देशित किया कि आयोजन की पूरी अवधि में भोजन की गुणवत्ता, शुद्ध पेयजल, शौचालय एवं स्वच्छता की व्यवस्था बेहतर बनी रहे। उन्होंने कहा कि जंबूरी में जिले के साथ-साथ बाहर से भी प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं, अतः उनकी सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए।

जिला पंचायत सीईओ ने ली पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार ने पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक ली। बैठक में पशुओं के प्रति होने वाली क्रूरता, अनावश्यक रूप से मारपीट करने, उन्हें कष्ट पहुंचाने तथा पशुओं के अवैध परिवहन जैसे गंभीर विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि पशुओं के प्रति क्रूरता करना एवं उनके साथ अमानवीय व्यवहार करना पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के अंतर्गत दंडनीय अपराध है। पशुओं के अवैध परिवहन एवं उनके साथ क्रूरता के मामलों पर प्रभावी रोकथाम के लिए संबंधित विभागों एवं समिति के सदस्यों के बीच समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया।

बैठक में पशुओं के अवैध परिवहन को रोकने, क्रूरता के मामलों में आवश्यक कार्रवाई करने तथा निराश्रित एवं पीड़ित पशुओं के संरक्षण एवं उचित देखभाल की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। समिति द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई कि वे पशुओं के प्रति संवेदनशील एवं मानवीय व्यवहार करें तथा पशु क्रूरता अथवा अवैध परिवहन की जानकारी मिलने पर पुलिस विभाग को सूचित करें।



स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अंबिकापुर छ. ग. पिन नं. 497001 से मुद्रित व वार्ड क्र. 10 कुनकुरी जशपुर से प्रकाशित । संपादक - लक्ष्मण सिंह